शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 312 | गुवाहाटी | रविवार, 15 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मप्रः बालाघाट के जंगल में पुलिस मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर, मुख्यमंत्री ने दी बधाई पेज 2
11 वर्षों में एनडीए सरकार ने देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया : सोनोवाल पेज 3
गृहमंत्री अमित शाह यूपी पुलिस के चयनित 60, 244 आरक्षियों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र पेज 5
कोच मनोलो मार्केज के भविष्य पर 29 जून को होगा फैसला : कल्याण चौबे पेज 7

ईरान की मिसाइलों ने इजराइल में मचाई तबाही

तेल अवीव /तेहरान (हि.स.)। इजराइल के हमले से प्रतिशोध की आग में जल रहे ईरान ने दुश्मन को दिन में तारे देखने को मजबूर कर दिया है। ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से शुक्रवार रात से आज सुबह तक ताबड़तोड़ हमला कर चौतरफा मार की है। इजराइल में बज रहे खतरे के सायरनों के बीच लाखों लोग सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए सड़कों पर आ गए हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि किधर जाएं। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि हमारे लड़ाकू विमान, ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें ईरान के आसमान को धुआं-धुआं करने के लिए तैयार हैं। तेहरान टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, ईरानी सेना ने पुष्टि की है कि उसके कई अराश कामिकेज ड्रोन ने इजराइल में लक्ष्यों को निशाना बनाया। इसके बाद पांच बार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इससे फिलिस्तीन की इजराइली साइटों पर मानवीय गतिविधियां जमींदोज हो गईं। अब वहां विनाश के बड़े निशान रह गए। ईरानी हमलों के बीच आधीरात से लेकर सुबह तक इजराइल में खतरे के सायरन बजते रहे। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कार्प्स ने कहा कि इजराइल के -शेष पृष्ठ दो पर

हमला नहीं रोका तो जलाकर खाक कर देंगे : इजरायली रक्षा मंत्री

तेल अवीव। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने शनिवार को ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इजरायल पर मिसाइल हमले जारी रहे तो तेहरान जल जाएगा। कैट्ज की यह टिप्पणी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों के जवाब में ईरान द्वारा रात भर किए गए मिसाइल हमले के बाद आई है। सुरक्षा आकलन के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान की यूएस-यूके और फ्रांस को खुली धमकी : कहा-

इजराइल मामले में दखलअंदाजी की तो उनके सैन्य ठिकानों पर भी होगा हमला

तेहरान। मध्य पूर्व में युद्ध के हालात उस समय और भयावह हो गए जब ईरान ने दावा किया कि यदि अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस ने इजराइल की मदद की तो वह इन देशों के मध्य पूर्व स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला करेगा। ईरान ने साफ कहा है कि अगर अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस इजराइल की मदद करते हैं या ईरान के हमलों को रोकने की कोशिश करते हैं, तो ईरान उनके मध्य-पूर्व में मौजूद सैन्य अड्डों पर हमला करेगा। शुक्रवार रात ईरान ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव पर कई मिसाइलें दागीं। इस हमले में अब तक 3 लोगों की मौत और कई घायल होने की खबर है। मिसाइल हमले के बाद पूरे -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

शुट एट साईट आदेश के बाद रात भर में 38 लोग गिरफ्तार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि धुबड़ी जिले में 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जहां सांप्रदायिक तनाव के मद्देनजर रात में देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया था। एक्स पर एक पोस्ट में सीएम शर्मा ने कहा कि धुबड़ी बीफ हेड घटना में रात भर में 38 गिरफ्तार किए गए। मुख्यमंत्री के अनुसार, 7 जून को ईद के दिन धुबड़ी शहर में हनुमान मंदिर के सामने एक गाय का सिर पाया गया था। शर्मा ने बताया कि अगले दिन फिर से मंदिर के सामने गाय का सिर रखा गया और रात में पत्थर फेंके गए। रविवार (8 जून) को धुबड़ी शहर में एक मंदिर के पास मांस के टुकड़े पाए जाने के बाद लोगों ने कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन ने 9 जून को कस्बे में निषेधाज्ञा लागू कर दी थी, लेकिन कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार होने के बाद अगले दिन उसे हटा लिया गया था। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार (13 जून) को स्थिति की समीक्षा के लिए धुबड़ी का दौरा किया। शहर के अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि रात में देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया गया था, क्योंकि एक संगठन बांग्लादेश की सीमा से लगे जिले में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि जिले में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया जाएगा और धुबड़ी में सभी -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनने देना कांग्रेस की ऐतिहासिक भूल थी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1980 के दशक में कोई कार्रवाई करने के बजाय पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने दिया जो एक *ऐतिहासिक भूल* थी। शर्मा ने दावा किया कि पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई को रोकने के लिए *परमाणु धमकी* का इस्तेमाल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसे समय में जब आज विभिन्न देश परमाणु खतरों को बेअसर करने के लिए निर्णायक रूप से काम कर रहे हैं, 1980 के दशक के दौरान भारत की दुखद निष्क्रियता एक चेतावनी भरी कहानी है कि क्या हो सकता था, और क्या नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह किसी *अवसर को गंवाने* जैसा था क्योंकि रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पास ठोस खुफिया जानकारी थी, जो कहुटा संयंत्र में पाकिस्तान की यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों की पुष्टि करती थी। *कांग्रेस की ऐतिहासिक भूल : भारत ने पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न देश कैसे बनने दिया* शीर्षक वाले पोस्ट में शर्मा ने दावा किया कि इजराइल ने कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी से लेकर संयुक्त हमले की योजना तक मदद की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि जामनगर वायुसेना अड्डे को संभावित *लॉन्चपैड* के रूप में चुना गया था और भारतीय सेना कहुटा पर हवाई हमले के लिए पूरी तरह से -शेष पृष्ठ दो पर

रोशमिता होजाई मौत मामला : धामी ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने असम के अपने समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा और सांसद गौरव गोगोई को ऋषिकेश में रहस्यमय परिस्थितियों में रोशमिता होजाई की मौत की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। विश्व शर्मा के एक पत्र का जवाब देते हुए, धाम ने एक्स से कहा और कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री @himantabiswa जी, हम आपकी चिंता से सहमत हैं। हम निष्पक्ष, पारदर्शी और समय पर जांच सुनिश्चित -शेष पृष्ठ दो पर

शिवसागर में ओएनजीसी गैस रिसाव तीसरे दिन भी अनियंत्रित

राहत शिविरों में भेजे गए 1200 से अधिक लोग

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिले के भाटियापारा स्थित रुद्रसागर तेल क्षेत्र में तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के वेल (कुंआ) नंबर आरडीएस-147 (रिग एसकेपी-135) से शुरू हुई गैस रिसाव की घटना अब तीसरे दिन में पहुंच चुकी है, लेकिन स्थिति अभी तक नियंत्रण में नहीं लाई जा सकी है। मरम्मत के दौरान 12 जून को सुबह लगभग 11:45 बजे यह रिसाव तेज आवाज के साथ शुरू हुआ था, जो अब तक लगातार जारी है। कुएं को सील करने की तमाम कोशिशों के बावजूद, अब तक राहत दलों को सफलता नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
एक संतुलित मन के बराबर कोई तपस्या नहीं है। संतोष के बराबर कोई खुशी नहीं है। लोभ के जैसी कोई बिमारी नहीं है। दया के जैसा कोई सदाचार नहीं है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद

इंफाल। मणिपुर में हिंसा पर काबू पाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए चलाए गए एक बड़े अभियान में सुरक्षा बलों ने 328 हथियार बरामद किए हैं। यह तलाशी अभियान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीमों ने घाटी के पांच जिलों में चलाया। मणिपुर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ल्हारी दोरजी -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान-इजरायल संघर्ष के बाद बढ़ी क्रूड ऑयल की कीमतें

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच शुरू हुए संघर्ष ने दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। खास तौर पर वो देश परेशान हैं, जो कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए ईरान या ईरान के पास से गुजरने वाले रूट पर निर्भर हैं। अगर इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष जारी रहा है, तो दुनिया के अधिकांश हिस्से में कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी। -शेष पृष्ठ दो पर

विमान हादसे में अब तक 270 लोगों की मौत, नौ शवों की हुई पहचान

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में मौत की संख्या 270 पहुंच चुकी है। केंद्र सरकार ने हादसे के कारण की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन का एलान किया है, जिसकी अध्यक्षता गृह सचिव करेंगे। जानकारी के मुताबिक, अब तक 9 शवों की पहचान हो चुकी है। समिति तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देगी। समिति सिर्फ एआइ-171 विमान हादसे की जांच ही नहीं करेगी बल्कि भविष्य में इस तरह की दूसरी दुर्घटना ना हो और भारतीय नागरिक उड्डयन सेक्टर को किस तरह से ज्यादा सुरक्षित बनाया जाए, -शेष पृष्ठ दो पर

अहमदाबाद हादसे के बाद करीब आए कुकी और मैतेई समुदाय

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया के प्लेन क्रैश में सवार 241 लोगों की मौत हो गई। इसमें केबिन क्रू के सदस्य भी शामिल हैं। इसी केबिन क्रू के दो सदस्य लैमनुंथीम सिंगसन और नगंथोई शर्मा मणिपुर की रहने वाली हैं। लैमनुंथीम कुकी समुदाय की थी, जबकि नगंथोई मैतेई थीं। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में दोनों की ही जान चली गई है। लंबे वक्त से मणिपुर में हिंसा का दंश झेल रहा है। यहां कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष हो रहा है। लैमनुंथीम और नगंथोई की मौत के बाद यह संघर्ष अब थोड़े वक्त के लिए थम सा गया लगता है। मणिपुर से लेकर दिल्ली तक अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी जा रही है। लैमनुंथीम और नगंथोई दोनों के ही परिवार उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर संवेदना व्यक्त की -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा प्रमुख परेश बरुवा समेत तीन के खिलाफ एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन अल्फा (स्वाधीन) के प्रमुख परेश बरुवा उर्फ परेश असम समेत तीन लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आईएनए ने यह चार्टशीट 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में आईईडी विस्फोट कराने की साजिश रचने के आरोप में दाखिल किया है। एनआईए की ओर से दाखिल चार्जशीट में कहा गया है कि परेश बरुवा, जिसे कमरुज जमाल खान, -शेष पृष्ठ दो पर

विकसित भारत के लिए नई शिक्षा नीति सहायक साबित होगी : धर्मेंद्र प्रधान

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को मुंबई में कहा कि विकसित भारत के लिए नई शिक्षा नीति सहायक साबित होगी। मुंबई सपनों का शहर है और देश की आर्थिक राजधानी भी। ऐसे में यहां पांच विदेशी विश्वविद्यालयों का आना शिक्षा हब के रूप में शहर की छवि को और मजबूत करेगा। केंद्रीय मंत्री ने आज यहां इन पांच अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को आशय पत्र प्रदान किया। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति से विदेशी विश्वविद्यालय भारत में आ सकेंगे और भारतीय संस्थाएं विदेश में अपनी शाखाएं खोल सकेंगी। आईआईटी, आईआईएम, आईएसएफ और सिम्बायोसिस जैसी संस्थाएं विदेशों में भी फैल रही हैं। ऐसे निर्णय भारत को विकसित और शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आज यूनिवर्सिटी ऑफ -शेष पृष्ठ दो पर

अंबुवासी मेले की तैयारियां जोरों पर

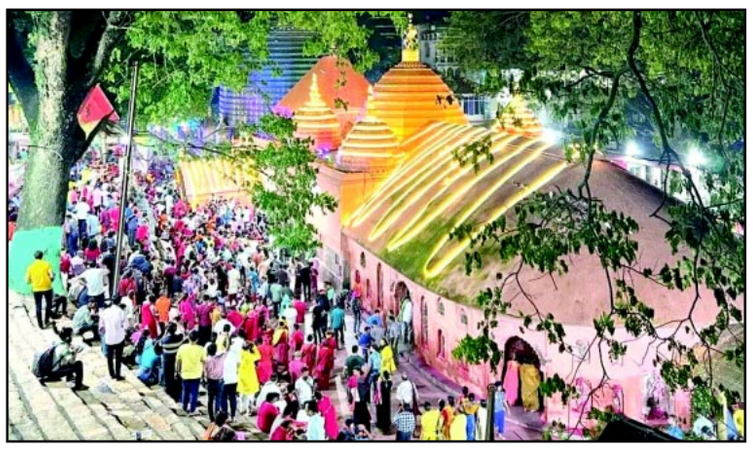

गुवाहाटी। गुवाहाटी में 22 से 26 जून तक प्रतिष्ठित कामाख्या मंदिर में आयोजित होने वाले वार्षिक अंबुवासी मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। असम सरकार ने इस प्रमुख आध्यात्मिक आयोजन के सुचारू संचालन के लिए 4.55 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं, जिसमें हर साल देश भर से लाखों तीर्थयात्री आते हैं। जबकि प्रशासनिक मशीनरी पूरे जोर-शोर से काम कर रही है – शिविर लगाने, स्वच्छता सुनिश्चित करने, स्वयंसेवकों को तैनात करने, तथा चिकित्सा और परिवहन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में – गुवाहाटी के निवासी नागरिक व्यवधान के एक और मौसम के लिए तैयार हैं। पिछले कुछ सालों में, अंबुबाची मेले की धार्मिक भव्यता अक्सर शहर की दैनिक लय से टकराती रही है। त्यौहार के दौरान यातायात की भीड़, बाधित आवागमन, अपर्याप्त स्वच्छता और अतिक्रमण वाले सार्वजनिक स्थान आम चिंताएं बन गए हैं। भूतनाथ क्षेत्र के निवासी संकोव के लिए, तीर्थयात्रियों के लिए निर्दिष्ट विश्राम स्थलों की कमी, समस्या का मूल कारण है। उन्होंने कहा कि भक्तगण मुख्य सड़कों के दोनों ओर डेरा डालते हैं, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो जाती हैं। आपातकालीन वाहनों को वहां से गुजरना मुश्किल हो जाता है। सरकार को विशेष शिविर क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं के लिए विशेष गलियारे बनाने चाहिए। पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph.: 94350-48866, 94018-06952

मप्रः बालाघाट के जंगल में पुलिस मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में शनिवार को दोपहर में बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र के पचामा दादर के जंगल में हुई मुठभेड़ में पुलिस ने तीन महिला समेत चार नक्सलियों को मार गिराया है। हॉक फोर्स और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। बालाघाट के पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि अभी ऑपरेशन जारी है। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट जिले में चार नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराने पर राज्य पुलिस बल के जवानों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को प्रदेश की धरती से समूल खत्म करने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को पाने में हमारे पुलिस जवानों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को पचमढ़ी से जारी संदेश में कहा कि राज्य सरकार नक्सल विरोधी अभियान में भाग ले रहे पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत कर रही है। कुछ महीने पहले बालाघाट में एक कार्यक्रम में नक्सलियों का खात्मा करने वाले पुलिस के सिपाहियों और अधिकारियों को पदोन्नति देकर सम्मानित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट प्रदेश का एक मात्र जिला है, जो नक्सल प्रभावित है। शनिवार को यहां मुठभेड़ में मारे गए चार नक्सलियों में तीन महिलाएं शामिल हैं। उनके कब्जे से कई ऑटोमैटिक हथियार, एक ग्रेनेड लांचर, एक एसएलआर रायफल, 2 (315 रायफल), रॉकेट लॉन्चर, वॉकी-टॉकी सेट, नक्सल साहित्य और भारी मात्रा में गोला-बारूद मिला है। नक्सलियों द्वारा किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने से पहले पुलिस जवानों ने सक्रियता दिखाई और सभी हथियारबंद नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस सफल ऑपरेशन के लिए पुलिसबल को बधाई। उन्होंने कहा कि नक्सलियों की वजह से जनजातीय भाई-बहनों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। नक्सली सरेंडर करें, नहीं तो मारे जाएंगे। प्रदेश पुलिस इस कार्य को बखूबी अंजाम दे रही है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि पुलिस को पचामा दादर के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। नक्सलियों को थाना रूपझर, चौकी सोनेवानी अंतर्गत पचामादादर-कटेझिरिया जंगल क्षेत्र में जीआरबी डिवीजन में उपस्थिति की सूचना के आधार पर हाकफोर्स, जिला पुलिस एवं सीआरपीएफ बल द्वारा लगातार पचामादादर-कटेझिरिया जंगल क्षेत्र में कार्डन एवं सर्च ऑपरेशन चलाया गया। नक्सलियों द्वारा सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को हताहत करने एवं उनके हथियार लूटने की नियत से पुलिस बलों पर अंधाधुंध फायरिंग की गयी। सुरक्षा बलों द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुए सूझबूझ एवं नियंत्रित जवाबी फायरिंग की गयी। इस कार्रवाई में चार हार्डकोर माओवादियों को मार गिराने में सफलता प्राप्त हुई।

अवैध तीर खेल में शामिल चार लोग गिरफ्तार

श्रीभूमि (हिंस)। श्रीभूमि जिला के बदरपुर में लंबे समय से चल रहे अवैध तीर खेल (एक प्रकार का जुआ) के खिलाफ पुलिस ने शनिवार को भियान चलाया। गुप्त सूचना के आधार पर बदरपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर चलाये गये अभियान के दौरान तीर खेल के व्यापार में शामिल चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदरपुर पुलिस की गिरफ्त में आए लोगों में तीर के टिकट विक्रेता, खरीदार और बुकिंग करने वाले शामिल हैं। बदरपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए तीर खेल से जुड़े आरोपितों की पहचान आसिम देव, अब्दुल मालिक, समिलउद्दीन और बिभास चक्रवर्ती के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संदर्भ में बदरपुर थाने में 105/25 नंबर का एक मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

मोरीगांव से बाइक चोर गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव शहर के शनिवारी बाजार के सामने से लोगों ने बाइक चोरी करते हुए एक चोर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। बाइक चोर रघु दास नामक एक व्यापारी की बाइक का लॉक तोड़ने की कोशिश कर रहा था, तभी स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया। बाइक की चोरी करते हुए पकड़े जाने पर लोगों ने पहले चोर की जमकर पिटाई की और फिर पुलिस को इस बाबत सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मोरीगांव पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बाइक चोर की पहचान नगांव जिलांतर्गत सिलंगनी निवासी मानिक अली के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

चाय बागानों में गर्मी के कारण बदली गई समय-सारिणी

गुवाहाटी (हिंस)। असम में पड़ रही भीषण गर्मी के चलते राज्य सरकार ने चाय बागानों के मजदूरों के कार्य समय में बदलाव किया है। अब चाय श्रमिकों को सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक काम करना होगा। असम सरकार के श्रम कल्याण विभाग ने इस संबंध में विशेष निर्देश जारी किया है। पूर्व में चाय बागानों में मजदूरों की ड्यूटी सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित थी। लेकिन राज्य भर में लगातार बढ़ रहे तापमान और लू की स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह संशोधित समय लागू किया गया है। ज्ञात हो कि इस समय असम के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया जा रहा है, जिससे आम जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है।

शातिर चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर की वशिष्ठ पुलिस ने चोरी के मामले में शामिल एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुन सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक चोर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार चोर की पहचान सद्दाम हुसैन (19) के रूप में की गई है। जो मूल रूप से बरपेटा रोड का रहने वाला बताया गया है। गिरफ्तार आरोपी वशिष्ठ थाना क्षेत्र के घोड़ामारा इलाके में रहकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया करता था। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने इलेक्ट्रिक वायर और वायर कटिंग की मशीन जब्त किया है।

बीस हजार का इनामी बदमाश सोनू गुर्जर गिरफ्तार

धौलपुर (हिंस)। धौलपुर जिला पुलिस ने शनिवार को एक बडी कार्रवाई करते हुए बीस हजार के इनामी बदमाश सोनू गुर्जर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा तथा कारतूस जब्त किए हैं। फायरिंग के एक मामले में पुलिस को सोनू की तलाश थी तथा उसकी गिरफ्तारी पर बीस हजार का इनाम घोषित किया गया था। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि पुलिस थाना कंचनपुर ने एक बड़ी कार्रवाई में बीस हजार के इनामी बदमाश सोनू गुर्जर पुत्र मान सिंह गुर्जर निवासी अतिराज का पुरा थाना कंचनपुर जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि आठ अप्रैल 2025 को ग्राम गडराई का पुरा निवासी रामसरन कुशवाह द्वारा रिपोर्ट दी गई कि उसके खेत में खड़ी गेहूं की फसल को जानबूझकर छोड़ी गई भैंसों द्वारा नुकसान पहुंचाया गया। जब रामसरन ने इसका विरोध किया तो जमालपुर निवासी निहाल के पुत्र भोला, अवधेश और अन्य ने गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद लगभग एक दर्जन लोगों ने तीन वाहनों में सवार होकर रामसरन कुशवाह के घर पर हमला कर दिया। इस हमले में सोनू और मोनू पुत्र मान सिंह गुर्जर, राजकुमार पुत्र रामलखन गुर्जर, रिंकू व पंच गुर्जर, भोला, अवधेश और अन्य अज्ञात लोग शामिल थे। आरोपियों ने फायरिंग की। लाठी-डंडों से मारपीट की और बलविंदर सरदार की मोटरसाइकिल को नुकसान पहुंचाया। मौके पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों ने 315 बोर का कट्टा, 5 खाली खोखे, एक जिंदा कारतूस और आरोपी अवधेश को सौंपा। इस आधार पर थाना कंचनपुर में मामला दर्ज किया गया। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी व मानवीय सूचनाओं के आधार पर लगातार प्रयास करते हुए आरोपी सोनू गुर्जर को आज गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ जारी है और अन्य फरार आरोपियों की भी तलाश की जा रही है।

गोरखपुर परमाणु प्लांट से 2031 में शुरू होगा बिजली उत्पादन : मनोहर लाल

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को फतेहाबाद जिले के गांव गोरखपुर में स्थित गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना संयंत्र का दौरा किया। उन्होंने यहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया और एनपीसीआईएल के अधिकारियों की बैठक ली। यहां उनका स्वागत राज्ससभा सांसद सुभाष बराला, फतेहाबाद के कांग्रेस विधायक बलवान सिंह पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक दुड़ाराम, भाजपा के जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा एवं एनपीसीआईएल के अधिकारियों ने किया। अधिकारियों से बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश में किसी भी अणु विद्युत प्लांट्स को लगाने के लिए 13 या साढ़े 13 साल में पूरा होना चाहिए। गोरखपुर प्लांट में देरी में कई तकनीकी व एडमिनिस्ट्रेटिव कारण रहे हैं। 2031 में इसकी दो यूनिट और बाकी दो यूनिट्स 2032 में शुरू होंगी। इनसे 2800 मेगावाट बिजली मिलेगी।

पृष्ठ एक का शेष

ईरान की मिसाइलों ...

कम से कम 150 सैन्य और खुफिया साइटों के साथ हथियार निर्माण सुविधाओं को निशाना बनाया गया। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइल और ईरान के बीच घातक मिसाइल हमलों के बीच यरुशलम में घातक विस्फोटों की आवाजें सुनी गई हैं। आईडीएफ के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ इयाल जमीर और वायुसेना प्रमुख तोमर बार ने परिस्थितजन्य आकलन किया। इसके बाद दोनों ने कहा कि इजराइली वायुसेना के लड़ाकू जेट तेहरान पर फिर हमला करने के लिए कमर कस चुके हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने बताया कि तेहरान के मेहराबाद हवाई अड्डे पर रात में इजराइली हमलों में ईरानी लड़ाकू विमानों के हैंगर को निशाना बनाया गया, लेकिन रन-वे या मुख्य इमारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। समाचार एजेंसी तस्नीम के रात को प्रसारित एक वीडियो में हवाई अड्डे के ऊपर धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। इरना के अनुसार, इसके बाद ईरान के नागरिक उड्डयन विभाग ने कहा कि ईरान में अगली सूचना तक सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। जॉर्डन के उत्तरी शहर इरबिड में एक *विस्फोटक वस्तु* गिरने से दो नागरिक घायल हो गए और एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। जॉर्डन के सरकारी प्रसारक अल-ममलका टीवी की खबर के अनुसार, क्षतिग्रस्त इमारत को सशस्त्र बलों ने घेर लिया है। सशस्त्र बलों ने कहा कि वे किसी भी परिस्थिति में देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं होने देंगे। जॉर्डन वायुसेना के जेट विमानों और वायु रक्षा प्रणालियों ने शुक्रवार को जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाली कई मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराया। जॉर्डन के नागरिक उड्डयन नियामक आयोग ने बताया कि इजराइल के शुरुआती हमले के मद्देनजर जॉर्डन ने शुक्रवार को अपने हवाई क्षेत्र को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। शनिवार सुबह से उड़ानें फिर से शुरू हो गईं। अल-ममलका टीवी की खबर के अनुसार, ईरान ने अभी तक यह निर्णय नहीं लिया है कि वह रविवार को अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता में भाग लेगा या नहीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने कहा कि इजराइल के लिए अमेरिका के समर्थन ने वार्ता को अर्थहीन बना दिया है। नूर न्यूज के अनुसार बाघई ने कहा कि किसी मुद्दे पर सहमति बनाने के लिए बातचीत और बातचीत करने का दावा करना अब संभव नहीं। उधर, व्हाइट हाउस के अधिकारी लगातार यह तर्क दे रहे हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप परमाणु वार्ता को बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसका छठा दौर रविवार को ओमान की राजधानी मस्कट में प्रस्तावित था। सीएनएन की खबर के अनुसार, तेहरान में रिहायशी इमारत पर इजराइली हमले में 20 बच्चों समेत 60 लोगों की मौत हो गई है। ईरानी टेलीविजन ने तेहरान में शाहराक-ए-शाहिद चमरान रिहायशी परिसर में 14 मंजिला इमारत के मलबे को हटाते श्रमिकों की लाइव तस्वीरें दिखाई हैं। मौके पर मौजूद एक रिपोर्टर के अनुसार, रिहायशी इमारत में 20 बच्चे मारे गए, जिनमें 6 महीने के बच्चे भी शामिल हैं। मलबे के नीचे कथित तौर पर 10 शव अभी भी फंसे हैं। ईरान के संयुक्त राष्ट्र के दूत आमिर सईद इरावानी ने शुक्रवार को कहा था कि इजराइली हमलों में कम से कम 78 लोग मारे गए हैं। आईडीएफ ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा कि ईरान के मिसाइल दागने के बाद खतरे के सायरन बजते ही लाखों नागरिक उत्तरी इजराइल में शरण लेने के लिए भागते नजर आए। ईरान ने ताबड़तोड़ बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। शत्रु विमानों की घुसपैठ के कारण नेगेव क्षेत्र में सायरन बज रहा है। आईडीएफ दुश्मन का मुकाबला कर रहा है।

हमला नहीं रोका ...

आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर और मोसाद निदेशक डेविड बार्निया के साथ बोलते हुए, कैट्ज ने सीधे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को संबोधित किया। कैट्ज ने कहा कि ईरानी तानाशाह ईरान के नागरिकों को बंधक बना रहा है, और विशेष रूप से तेहरान के निवासियों को इजरायली नागरिकों पर आपराधिक हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजरायली सेना ने शनिवार को पुष्टि की कि उसके ऑपरेशन, जिसका कोडनेम राइजिंग लॉयन था, ने नौ वरिष्ठ ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों को सफलतापूर्वक मार गिराया है। आईडीएफ के अनुसार, वैज्ञानिक सीधे तौर पर ईरान की परमाणु हथियार क्षमताओं को बढ़ाने में शामिल थे। सेना ने कहा किए हमले सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए थे। उनका खात्मा ईरानी शासन की सामूहिक विनाश के हथियार हासिल करने की क्षमता के लिए एक बड़ा झटका है। ड्रोन और युद्धक विमानों से किए गए हवाई हमलों ने कथित तौर पर नतांज और इस्फहान सहित संवेदनशील परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाया, जिससे व्यापक क्षति हुई। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने शुक्रवार रात को इजरायली क्षेत्र में दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। विस्फोटों ने यरुशलम और तेल अवीव के आसमान को जगमगा दिया, जबकि इजरायल की आयरन डोम रक्षा प्रणाली और अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए इंटरसेप्टर आने वाले खतरों को बेअसर करने के लिए काम कर रहे थे। मध्य इजरायल में नागरिकों से आश्रय लेने का आग्रह किया गया। इजरायली अधिकारियों ने कम से कम तीन मौतों और दर्जनों लोगों के घायल होने की पुष्टि की। इस बीच, ईरान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत ने बताया कि इजरायल के हमलों में 78 ईरानी मारे गए और 320 से अधिक घायल हुए।

इजराइल मामले में ...

शहर में हड़कंप मच गया। हमले से कुछ घंटे पहले ही इजराइल ने ईरान पर बड़ा हवाई हमला किया था। तेहरान का दावा है कि इस इजराइली हमले में 78 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे। यह हमला बिना किसी चेतावनी के हुआ। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर हमला सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने चेताया कि अगर ईरान ने फिर हमला किया तो इजराइल और बड़ी कार्रवाई करेगा। इस संघर्ष से पूरे मध्य-पूर्व में युद्ध का खतरा बढ़ गया है। खाड़ी देशों में अमेरिकी फौज सतर्क है। सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे देशों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजराइल और ईरान से तुरंत युद्ध रोकने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर यह लड़ाई जारी रही तो इससे पूरी दुनिया प्रभावित होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर पश्चिमी देश इस संघर्ष में शामिल हुए तो यह एक क्षेत्रीय युद्ध बन सकता है। इसका असर तेल के दाम, व्यापार और वैश्विक शांति पर पड़ेगा। इजराइल और ईरान के बीच यह टकराव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकला, तो यह लड़ाई पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले सकती है।

शुट एट साईट आदेश ...

अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने कानून अपने हाथ में लिया है, उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह से धुबड़ी में कानून-व्यवस्था की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने कहा कि *नबीन बांग्ला* नामक एक संगठन ने जिले में पोस्टर लगाए हैं, जिनमें धुबड़ी को बांग्लादेश में विलय करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि धुबड़ी में अशांति फैलाने के लिए एक सांप्रदायिक समूह सक्रिय हो गया है और इसके बारे में पता चलने के बाद मैं धुबड़ी आया हूं और जिले में रात में देखते ही गोली मारने के आदेश लागू रहेंगे।

पाकिस्तान को परमाणु ...

तैयार थी। मख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भारत के पास खतरे को वास्तविकता बनने से पहले खत्म करने की क्षमता और आम सहमति थी। फिर भी आखिरी समय में इंदिरा गांधी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परिणामों के डर से हिचकिचाहट दिखाई। शर्मा ने दावा किया कि राजीव गांधी ने विदेशी दबाव में कूटनीति को प्राथमिकता देते हुए योजना को टाल दिया था। उन्होंने कहा कि इसका परिणाम यह हुआ कि 1988 में राजीव गांधी ने पाकिस्तान की तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के साथ एक परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें एक-दूसरे के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने पर परयूएसपर संयम बरतने का वचन दिया गया।

रोशमिता होजाई मौत ...

करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। मैंने राज्य के डीजीपी को पूरे मामले की गहन और विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है। विश्व शर्मा और कांग्रेस सांसद तथा लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई ने होजाई की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। असम के होजाई इलाके के सोनटीला गांव का निवासी यह युवक रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की परीक्षा देने के लिए 5 जून को दिल्ली के लिए निकला था। 10 जून को उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में गंगा नदी के किनारे उसका शव मिला था। होजाई 6 जून को ऋषिकेश पहुंची थी और उसके साथ उसके दोस्त हेमंत वर्मा और पंकज भी थे। हेमंत और रोशमिता कॉलेज में साथ-साथ पढ़ते थे और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते थे। पुलिस ने बताया कि होजाई की मुलाकात वर्मा से दिल्ली में हुई थी, जहां दोनों ने ऋषिकेश घूमने का प्लान बनाया। पुलिस ने बताया कि होजाई के शरीर पर किसी तरह के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि होजाई ने खुदकुशी की है।

शिवसागर में ओएनजीसी ...

मिल पाई है। ओएनजीसी की आपदा प्रबंधन टीम और संबंधित एजेंसियों की तैनाती के बावजूद रिसाव पर काबू नहीं पाया जा सका है। हालांकि, प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि किसी प्रकार की आग या जनहानि की सूचना फिलहाल नहीं है। गैस के तेज दबाव के साथ निकलती आवाज और हवा में फैली तीव्र गंध ने आसपास के गांवों में दहशत और बेचैनी बढ़ा दी है। एक किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लगभग 137 परिवारों (1200 से अधिक लोगों) को एहतियातन उनके घरों से निकालकर भाटियापारा और बोनगांव के राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। शिविरों में राहत सेवाएं जैसे- पका हुआ खाना, स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा और सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है, लेकिन प्रभावित लोगों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी पर चिंता जताई है। जिला उपायुक्त आयुष गर्ग ने बताया कि ओएनजीसी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय आपातकालीन सेवाओं की संयुक्त टीम रिसाव को रोकने और सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयासों में जुटी हुई है। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि वे प्रभावित क्षेत्र से दूर रहें और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें। ओएनजीसी के अधिकारियों ने बताया है कि गैस को नियंत्रित करने के लिए *वेल किलिंग* प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है, जिसमें विशेष रसायनों का प्रयोग किया जा रहा है। इस प्रक्रिया का अगला चरण तड़के शुरू होने की उम्मीद है, हालांकि कंपनी ने अभी तक किसी निश्चित समयसीमा की घोषणा नहीं की है। इस घटना से स्थानीय निवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। 2020 के बाघजान हादसे की याद दिलाते हुए लोगों ने प्रशासन की प्रतिक्रिया में देरी और राहत शिविरों की स्थिति को लेकर असंतोष जाहिर किया है। इस बीच स्थानीय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अगले दो-तीन दिनों के भीतर हालात में सुधार न हुआ तो सख्त कदम उठाए जाएंगे।

विमान हादसे में अब...

इसके लिए भी सिफारिश करेगी। समिति घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी तय करेगी और भारत सरकार इन मानकों के आधार पर एक लिखित निर्देश जारी करेगी जो एक तरह से भारतीय उड्डयन सेक्टर को सुरक्षित बनाने का रोडमैप होगा। दरअसल, हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। विमान हादसे को लेकर शनिवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने पूरी घटना का विवरण साझा किया है। समीर कुमार सिन्हा के मुताबिक, इस विमान ने 1:39 बजे रनवे से उड़ान भरी। 650 फीट के बाद विमान में कुछ खराबी आ गई और विमान ऊंचाई नहीं पकड़ पाया। इसी समय विमान के पायलट ने अहमदाबाद एटीसी को सूचना दी कि यह मेडे (पूरी तरह से आपातकालीन स्थिति) है। उन्होंने बताया कि एटीसी के अनुसार जब उन्होंने विमान से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। ठीक 1 मिनट बाद विमान एअरपोर्ट से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मेघानी नगर इलाके में क्रैश हो गया।

अहमदाबाद हादसे के...

जा रही है और नागरिक संगठन के लोग भी मदद के लिए आगे आए हैं। दिल्ली स्थित मैतेई हेरिटेज सोसाइटी के सदस्यों ने कहा कि पूरा मणिपुर इस दुखद घटना के लिए सामूहिक रूप से दुखी है। हमने अपनी संकीर्ण सामुदायिक सीमाओं को इससे परे रखा है। दिल्ली में कुकी छात्र संगठन ने हादसे में मृत लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडिल मार्च निकाला। लैमनुंथीम और नगंथोई दोनों के ही परिवार के सदस्य डीएनए परीक्षण के लिए अहमदाबाद पहुंचे हैं। बता दें कि अहमदाबाद से लंदन जाने के लिए एअर इंडिया की फ्लाइट ने उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही सेकेंड बाद विमान को लिफ्ट नहीं मिली और वह क्रैश हो गया था।

अल्फा प्रमुख परेश बरुवा ...

नूर-उज-जमाल, प्रदीप, पवन बरुवा आदि नामों से भी जाना जाता है, अल्फा (स्वाधीन) का स्वयंभू कमांडर-इन-चीफ है। उसके साथ जिन दो अन्य लोगों का नाम सामने आया है, उनमें असम का रहने वाला अभिजीत गोगोई उर्फ अभिजीत और जाह्नू बरुवा उर्फ अर्णव उर्फ शामिल हन्टू है। इन तीनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, गैरकानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम (यूएपीए) और विस्फोटक पदार्थ कानून की विभिन्न धाराओं के तहत अभियोग तय किए गए हैं। एनआईए की जांच में सामने आया है कि 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गुवाहाटी के दिसपुर लास्ट गेट इलाके में अल्फा (स्वाधीन) द्वारा आईईडी प्लांट किया गया था। इसके अलावा कई अन्य जगहों पर भी विस्फोटकों को स्थापित किए जाने के प्रयास किए गए थे। एनआईए ने सितंबर 2024 में इस केस की जिम्मेदारी ली थी। जांच पूरी होने के बाद एजेंसी ने गुवाहाटी आईएनए की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है।

अंबुवासी मेले की...

संस्करणों में यातायात प्रवाह में सुधार के प्रयासों के बावजूद, सभी हस्तक्षेप सफल नहीं हुए। स्थानीय निवासी अनिशा टी ने कहा कि नए खुले पांडु मार्ग से बहुत मदद नहीं मिली है। असली समस्या उचित आवास की कमी है। भक्त सड़क के बीचों-बीच सोते हैं और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाते हैं। भूतनाथ क्षेत्र में अव्यवस्था बनी हुई है और प्रशासनिक नियंत्रण बहुत कम है। कॉलेज छात्र अरुणव बोरा के लिए मेले के दौरान दैनिक यात्रा एक दुःस्वप्न बन जाती है। उन्होंने कहा कि यातायात दस गुना बढ़ जाता है। आमतौर पर 30 मिनट की सवारी में दो घंटे लग जाते हैं। अक्सर परीक्षाएं मेले के साथ ही होती हैं, इसलिए छात्रों को समय पर पहुंचने के लिए जल्दी निकलना पड़ता है। गर्मी समस्या को और बढ़ा देती है - कई यात्रियों को हीटस्ट्रोक, तनाव और निर्जलीकरण का सामना करना पड़ता है। दैनिक यात्री मेहजबीन सुल्ताना ने इन चुनौतियों को दोहराया कि बसों में भीड़, ट्रैफिक जाम, रूट डायवर्जन - काम पर या घर जाना मुश्किल हो जाता है। ऑटो-रिक्शा और कैब मिलना मुश्किल है, और देरी अपरिहार्य है। सरकार की भव्य योजना इन चुनौतियों की आशंका को देखते हुए असम के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। कामरूप (मेट्रो) के डिप्टी कमिश्नर धार्मिक भक्ति और नागरिक व्यवस्था के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से एक अंतर-विभागीय योजना के कार्यान्वयन की देखरेख कर रहे हैं। नए दिशा-निर्देशों के तहत, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि इस साल कोई वीआईपी या वीवीआईपी व्यवस्था नहीं की जाएगी। तीर्थयात्रियों को मंदिर में जाने से पहले नीलाचल फ्लाईओवर के नीचे अपने जूते उतारने होंगे। 23 जून को रात 8:30 बजे से गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

मणिपुर में हथियारों ...

ल्हातू ने बताया कि यह अभियान 13 और 14 जून की रात को शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि संवेदनशील पांच घाटी जिलों के बाहरी क्षेत्रों में खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान 151 एसएलआर राइफल, 65 इनसास राइफल, 73 अन्य प्रकार की राइफलें, 5 कार्बाइन गन, 2 एमपी-5 गन समेत भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और युद्धक सामग्री बरामद की गईं। उन्होंने इसे शांति बहाली की दिशा में एक *महत्वपूर्ण सफलता* करार दिया और कहा कि इससे राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे पहले, भारतीय सेना और असम राइफल्स ने *स्पीयर कार्प्स* के तहत मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के साथ मिलकर 26 मई से 5 जून के बीच कांगपोकपी, थौबल, ककचिंग, तेंगनौपाल, बिष्णुपुर, जिरीबाम, इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में भी खुफिया सूचनाओं पर आधारित अभियान चलाया था। इन अभियानों में कुल 23 उग्रवादी गिरफ्तार किए गए थे और 40 हथियार, 9 आईईडी, ग्रेनेड, गोलाबारूद और अन्य युद्धक सामग्री बरामद की गई थी। 27 मई को इंफाल ईस्ट जिले के चाडोंग इलाके में उग्रवादियों की गतिविधियों और आईईडी की मौजूदगी की सूचना पर विस्फोटक खोजी कुत्तों की मदद से चलाए गए अभियान में 35 किलोग्राम विस्फोटक से लैस 5 आईईडी बरामद किए गए। इसी दौरान एक और अभियान में सेना की एक टीम ने पास के इलाके में एक छिपा हुआ अड्डा खोज निकाला, जहां से दो 12-बोर राइफलें, विस्फोटक, गोलियां और अन्य सामग्री बरामद हुईं। 1 जून को चुराचांदपुर जिले के खुआंगमुन इलाके में एक और अभियान के दौरान .303 राइफल, चार सिंगल बैरल राइफलें, तीन देसी मोर्टार (पोंपी), दो आईईडी, गोलाबारूद और अन्य युद्धक सामग्री बरामद की गई थी।

ईरान-इजरायल संघर्ष ...

इसका एक असर ये भी होगा कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ जाएंगी और वैश्विक ऊर्जा बाजार में नकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। शनिवार को बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत में 6 डॉलर का इजाफा देखने को मिला और यह 78 डॉलर प्रति बैरल के आंकड़े को पार कर गया। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में आया ये उछाल पिछले 5 महीने का उच्चतम स्तर है। अगर ये वृद्धि जारी रही, तो माना जा रहा है कि भारत में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। हालांकि कुछ विश्लेषकों का कहना है कि जब तक तेल का सीधा निर्यात प्रभावित नहीं होगा, कीमतों पर असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि भारत ईरान से तेल का सीधे आयात नहीं करता है। लेकिन कच्चे तेल और एलएनजी ट्रेड का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जो ईरान और अरब प्रायद्वीप के बीच स्थित है। इराक, सऊदी अरब और यूएई से भारत आने वाला कच्चा तेल इसी रास्ते से गुजरता है। इसके पहले जब ईरान और इजरायल में संघर्ष हुआ था, तो कीमतों पर असर पड़ा था। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने का सीधा मतलब है ईंधन की ज्यादा लागत और माल ढुलाई की कीमतों में बढ़ोतरी। अगर ईरान और इजरायल में जारी संघर्ष लंबा चल जाता है या युद्ध में बदल जाता है, तो गैस और तेल मार्केट पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा। हालांकि कच्चे तेल के उत्पादन में बीते कुछ समय में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। यही वजह है कि बाजार में आपूर्ति अच्छी बनी हुई है। हालांकि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का क्या असर होगा, इसका जवाब भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है।

विकसित भारत के ...

एबरडीन (यूके), वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया), यॉर्क विश्वविद्यालय (यूके), इलिनॉय इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अमेरिका) और इस्तितुतो यूरोपीओ दी डिजाइन इटली को आशय पत्र दिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों का पहला शैक्षणिक हब मुंबई और नवी मुंबई में स्थापित किया जा रहा है। अब भारतीय छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी क्योंकि राज्य सरकार ने आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पांच विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ आशय पत्र प्रदान किए हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, केंद्रीय शिक्षा सचिव एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष विनीत जोशी, अपर मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता, सिडको के प्रबंध निदेशक विजय सिंघल, ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरॉन, ऑस्ट्रेलिया के कॉन्सुल जनरल पॉल मर्फी, अमेरिका के कॉन्सुल जनरल माइक हैंकी, इटली के कॉन्सुल जनरल वॉल्टर फेरारा, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन के प्रोफेसर सिलादित्य भट्टाचार्य, यॉर्क विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चार्ली जेफ्री, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय के उपकुलपति गॉय लिटलफेयर, इलिनॉय इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. राज ईचंबाडी, और आईईडी के डीन रिकार्डो बाल्बो उपस्थित थे।

पल्ला नदी से व्यक्ति का शव बरामद

बक्सा (हिंस)। बाक्सा जिला के पल्ला नदी से शनिवार को एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। शव की पहचान राजधाकमाल गांव के खोबो बर्मन के रूप में हुई है। छियालीस वर्षीय खोबो बर्मन पिछले कुछ दिनों से लापता थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गोवर्धना थाना पुलिस के मुताबिक शनिवार को राजधाकमाल गांव के पल्ला नदी में खोबो बर्मन का शव तैरते हुए स्थानीय लोगों ने देखा और पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से खोबो बर्मन के शव को नदी से बाहर निकाला। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खोबो बर्मन की मौत कैसे हुई पुलिस इसकी जांच कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार 11 जून को दिन में खोबो बर्मन अपने घर से बाहर निकले थे, उसके बाद से ही लापता हो गए थे। खोबो बर्मन अक्सर खेत, नदी, नाला, तालाब आदि से शंख निकालकर और मछली पकड़कर बाजार में बेचते थे।

11 वर्षों में एनडीए सरकार ने देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया : सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में आज आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उनके साथ असम सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रशांत फूकन भी मौजूद रहे। सोनोवाल ने कहा कि एनडीए सरकार के 11 वर्षों में देश ने सर्वांगीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों में भी उल्लेखनीय शोध कार्य किए हैं। पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ गरीबों को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया गया। महिला, युवा, किसान और गरीब-सभी वर्गों को साथ लेकर काम किया गया। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और जल्द ही तीसरे स्थान पर होगा। देश के जल, स्थल, वायु और रेल मार्गों को मजबूत किया गया है। पूर्वोत्तर भारत में भी अभूतपूर्व संपर्क और विकास हुआ है। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी 70 से अधिक बार पूर्वोत्तर क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को पक्के घर मिले हैं। अब तक 14 करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय की सुविधा दी गई है। खेलों में भारत ने नया इतिहास रचा है। ओलंपिक और एशियन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने मोदी सरकार के समर्थन में रिकॉर्ड पदक जीते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की परिवारवाद और पक्षपात की राजनीति के बजाय, एनडीए सरकार ने केवल जनसेवा को ही प्राथमिकता दी है। पूर्वोत्तर में कभी आतंकवाद से ग्रस्त रहे क्षेत्रों में अब शांति और विकास की बयार बह रही है। मोदी सरकार ने उन इलाकों में अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग और बिजली चलित रेल सेवाएं भी शुरू की हैं, जो कांग्रेस सरकार में कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। सोनोवाल ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की सबसे मजबूत राष्ट्रों में से एक बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने विश्व रक्तदान दिवस पर किया रक्तदान

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर आज यहां मुख्यमंत्री ने अपना रक्तदान कर आम लोगों से इस महान कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि रक्तदान की तरह महान कार्य किसी व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण ला सकता है। रक्तदान यानी जीवन दान। इस नि:स्वार्थ कार्य से अपने आप को जोड़ने का मौका पाना सौभाग्य की बात है। आज *विश्व रक्तदाता दिवस* पर इस पवित्र कार्य से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा आइए, हम रक्तदान के बारे में समाज में अधिक जागरूकता फैलाएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि रक्त की एक बूंद किसी के जीवन में आशा की किरण ला सकती है। इस विश्व रक्तदान दिवस पर, मैं सभी से रक्तदान करने और असंख्य चेहरों पर जीवन की खुशियां फैलाने का आग्रह करता हूं।

ढेकियाजुली के मोलान पोखरी में डूबने से 2 बच्चियों की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत ढेकियाजुली के मोलान पोखरी (तालाब) में डूबने से शनिवार को दो बच्चियों की मौत हो गयी। मृतकों में तीन वर्षीय प्रियंका खूदाल और पांच वर्षीय नंदाली खूदाल शामिल हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने बताया है कि यह घटना ढेकियाजुली के जारिया बस्ती स्थित मोलान पोखरी में घटी है। पोखरी में स्नान करने गईं दोनों बच्चियों की डूबने की जानकारी जैसे ही स्थानीय लोगों मिली, उन्होंने तत्परता दिखाते हुए दोनों बच्चों को पोखरी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, हालांकि, तबतक काफी देर हो चुकी थी, अस्पताल के डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के चलते पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

गौरव गोगोई का सीएम धामी को पत्र, कहा-

असम की महिला की मौत की जांच कराएं

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष गौरव गोगोई ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखा है। उन्होंने सीएम धामी से मांग की है कि वह असम की महिला की मौत की तुरंत जांच कराएं। महिला का शव ऋषिकेश में गंगा नदी के तट पर मिला था। असम की जिस महिला का शव गंगा नदी के तट पर मिला था, उसका नाम रोस्मिता होजाई था। वह दीमा हसाओ जिले की रहने वाली थी। महिला रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की परीक्षा देने के लिए दिल्ली गई थी। बाद में वह दिल्ली से दो व्यक्तियों के साथ ऋषिकेश चली गई। छह जून को वह ऋषिकेश में लापता हो गई। पांच दिनों बाद उसका शव गंगा नदी में मिला था। गौरव गोगोई ने सीएम धामी को लिखे पत्र में कहा कि महिला का लापता होना और बाद में उसकी मौत बेहद परेशान करने वाली है। उन्होंने कहा कि महिला की मौत ने उसके परिवार, दोस्तों और समुदाय के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। गोगोई ने सीएम धामी से मामले में तुरंत, पारदर्शी और गहन जांच शुरू करने की मांग की। गोगोई ने कहा कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जाए। जो लोग महिला की मौत के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाए। जोरहाट के सांसद गोगोई ने कहा कि सभी व्यक्तियों, खासकर जो लोग शिक्षा और पेशेवर अवसरों के लिए दूसरे राज्यों से यात्रा करते हैं, की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा राजधर्म निभाएं : कांग्रेस सांसद बरदलै

अगर बांग्लादेशी तत्व फैला रहे हैं सांप्रदायिकता तो यह मुख्यमंत्री की विफलता

गुवाहाटी (हिंस)। धुबड़ी में हाल ही में हुई सांप्रदायिक घटनाओं को लेकर कांग्रेस नेता और सांसद प्रद्युत बरदलै ने असम सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद बरदलै ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा से राजधर्म निभाने की अपील की। गुवाहाटी स्थित राजीव भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि असम में सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली किसी भी अशुभ शक्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसी ताकतों को खोजकर कठोरतम दंड दिया जाना चाहिए। अगर मुख्यमंत्री और कुछ अन्य लोगों के दावे के अनुसार, बांग्लादेश से आई किसी शक्ति ने धुबड़ी जैसी जगहों पर सांप्रदायिक जहर फैलाया है, तो यह सीधे-सीधे राज्य सरकार और भारत सरकार की विफलता है। यह सरकार के लिए शर्म की बात है। उन्होंने कहा कि धुबड़ी में पोस्टर लगाना, गोमांस फेंकना जैसे कृत्यों के पीछे अगर वास्तव में बांग्लादेशी तत्वों का हाथ है, तो यह गृहमंत्री के रूप में डॉ. शर्मा की सबसे बड़ी असफलता है। उन्होंने सवाल किया कि जब राज्य में इतनी सुरक्षा व्यवस्था है, तो ऐसी घटनाएं कैसे हो रही हैं? प्रद्युत बरदलै ने आरोप लगाया कि जब से डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने धार्मिक विभाजन की राजनीति शुरू की है, तब से राज्य में सांप्रदायिक घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि ईद, दुर्गा पूजा जैसे अवसरों पर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने में भाजपा से जुड़े संगठनों का हाथ रहा है, इसके कई प्रमाण पिछले वर्षों में सामने आए हैं। दो धार्मिक सूत्रों के जरिए असमिया समाज को बांटने और उसके बीच घृणा व हिंसा की राजनीति करने की जो नीति मुख्यमंत्री ने अपनाई है, उसी का नतीजा है कि आज कुछ ताकतें सिर उठा रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को भी याद दिलाते हुए कहा कि जैसे 2002 के गुजरात दंगों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा था कि *राजधर्म निभाएं,* हम भी यही कहना चाहते हैं। फर्क बस इतना है कि हम डॉ. शर्मा को राजा नहीं मानते, वह खुद को मानते हैं। भूमि नीति पर भी कड़ी टिप्पणी करते हुए बरदलै ने कहा कि असमिया पहचान से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस इन पर कार्रवाई का समर्थन करती है, लेकिन साथ ही सरकार द्वारा जनजातीय निवासियों को बेदखल कर उनकी जमीन पूंजीपतियों, विशेष रूप से अदानी समूह को देने की कोशिशों का कड़ा विरोध करती है। उन्होंने कोकराझाड़, पलासबाड़ी, कार्बी आंग्लांग, राभा हासोंग और नगांव के विभिन्न इलाकों में आदिवासियों की जमीनें छीने जाने के कथित प्रयासों की भी विस्तार से चर्चा की। विपक्षी गठबंधन को लेकर बरदलै ने कहा कि कांग्रेस समान विचारधारा वाले, क्षेत्रीय पहचान में विश्वास रखने वाले दलों के साथ मिलकर 2026 में भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष गौरव गोगोई के नेतृत्व में सभी सहयोगियों के साथ मिलकर एक सशक्त कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार के गठन की दिशा में काम किया जाएगा।

तामुलपुर में मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने की समीक्षा बैठक

तामुलपुर (हिंस)। असम के लोक स्वास्थ्य तकनीकी तथा आवास एवं नगर कार्य विभाग के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने आज तामुलपुर जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित एक समीक्षा बैठक में शामिल हुए। इस समीक्षा बैठक में तीन मुख्य योजनाओं पर चर्चा की गई- अरुणोदय, मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान और मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान। मंत्री ने इन योजनाओं की जिले में वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की और इनकी प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आगामी अगस्त माह से मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान योजना के तहत महिलाओं को 10 हजार रुपये की सहायता राशि देना शुरू किया जाएगा। अरुणोदय योजना का कार्य भी प्रगति पर है और बीटीआर क्षेत्र की सभी महिलाएं जल्द ही इस योजना का लाभ प्रान कर सकेंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान योजना के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। चयन प्रक्रिया जारी है। बहुत ही कम समय में तामुलपुर जिले के एक हजार से अधिक युवाओं को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। आज की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी पंकज चक्रवर्ती के अतिरिक्त स्थानीय विधायक जलन दैमरी, बीटीसी के कार्यकारी सदस्य, परिषद सदस्य और संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज के 26वें राष्ट्रीय सम्मेलन का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज गुवाहाटी के एक होटल में प्रैक्टिस कर रहे कंपनी सेक्रेटरियों के 26वें राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) द्वारा आयोजित दो दिवसीय इस सम्मेलन में देश भर के अग्रणी पेशेवर आधुनिक शासन और कॉर्पोरेट प्रबंधन में कंपनी सेक्रेटरियों की उभरती भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए। अपने उद्घाटन भाषण में राज्यपाल आचार्य ने सम्मेलन को महज एक वार्षिक सभा से कहीं बढ़कर बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन पारदर्शिता, निष्पक्षता और नैतिक अखंडता के सिद्धांतों पर निर्मित कॉर्पोरेट भारत को आकार देने के लिए आईसीएसआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि का प्रमाण है। 15 जून को प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज डे कार्यक्रम के साथ होने वाले इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने 1988 के ऐतिहासिक मील के पत्थर की सराहना की, जब प्रैक्टिस कर रहे कंपनी सेक्रेटरियों को वार्षिक रिटर्न प्रमाणित करने के लिए वैधानिक मान्यता दी गई थी। उन्होंने बिरादरी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उस दिन न केवल पेशेवर मान्यता मिली, बल्कि एक गहन जिम्मेदारी की शुरुआत भी हुई। पेशे के विकास पर विचार करते हुए, राज्यपाल आचार्य ने कहा कि कंपनी सचिवों की भूमिका कानूनी दस्तावेजों की समीक्षा करने से लेकर रणनीतिक सलाहकार, जोखिम प्रबंधक और डेटा सुरक्षा के संरक्षक बनने तक विकसित हुई है। उन्होंने भारत के वैश्विक आर्थिक शक्ति में परिवर्तन में कंपनी सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नैतिक शासन के प्रति आपकी प्रतिबद्धता के माध्यम से, आप निवेशकों का विश्वास, संस्थागत ताकत और आर्थिक लचीलापन बढ़ाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उद्धृत करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि जब शासन पारदर्शी होता है, तो विश्वास बढ़ता है। और जब विश्वास बढ़ता है, तो राष्ट्र प्रगति करता है। राज्यपाल आचार्य ने ई-गवर्नेंस, एमसीए 21 और एक्सबीआरएल जैसी डिजिटल पहलों के गहन प्रभाव को स्वीकार किया, जिसने कॉर्पोरेट अनुपालन को और अधिक पारदर्शी और कुशल बना दिया है। राज्यपाल ने गुवाहाटी और पूर्वोत्तर के रणनीतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला और शहर को आसियान देशों का प्रवेश द्वार और पूर्वोत्तर को *अष्टलक्ष्मी* कहा। उन्होंने कहा कि यहां सम्मेलन की मेजबानी इस क्षेत्र के आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करती है। राज्यपाल ने आत्मनिर्भरता, नवाचार और समावेशी विकास की दिशा में राज्य के प्रयासों के उदाहरण के रूप में अरुणोदय, स्वनिर्भर नारी-आत्मनिर्भर असम और असम स्टार्ट-अप जैसी पहलों की सराहना की। ऐसे कार्यक्रमों में कंपनी सचिवों की भागीदारी पर विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने संस्थान से पूर्वोत्तर में जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का आग्रह किया, खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए, ताकि समावेशी प्रगति में तेजी आए। राज्यपाल आचार्य ने कंपनी सचिवों से एआई, बिग डेटा और ब्लॉकचेन द्वारा आकार दिए गए उभरते युग की चुनौतियों को स्वीकार करने और अपने निर्णयों को नैतिक निर्णय और दूरदर्शिता पर आधारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आइए हम भारत को ईएसजी गवर्नेंस, जलवायु, वित्त, साइबर जोखिम प्रबंधन और जिम्मेदार एआई में वैश्विक नेता बनाने के लिए मिलकर काम करें। राज्यपाल ने यह भी कहा कि एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प और शक्तिशाली और जीवंत अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा में, कंपनी सचिवों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है कि वे सुशासन, पारदर्शिता और जिम्मेदार नेतृत्व के चैंपियन बनकर भारत को *विश्वगुरु* बनाने में सक्रिय रूप से योगदान देना जारी रखेंगे। आईसीएसआई के अध्यक्ष सीएस धनंजय शुक्ला, आईसीएसआई के उपाध्यक्ष सीएस पवन चांडक, पीसीएस समिति के अध्यक्ष सीएस प्रवीण सोनी, कार्यक्रम निदेशक सीएस संदीप कुमार केजरीवाल, गुवाहाटी चैप्टर के अध्यक्ष सीएस लोहित बगरिया सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे।

विश्व रक्तदान दिवस : जोरहाट में 100 से अधिक डॉक्टरों ने किया रक्तदान

जोरहाट (हिंस)। *रक्त दान महान दान* इस महान वाक्य को आदर्श मानते हुए शनिवार को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जोरहाट चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जेएमसीएच) में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष रक्तदान शिविर के जरिए जोरहाट ने एक सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक दायित्व का प्रदर्शन किया है। जोरहाट में *रक्तधारा* नामक के इस रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन और सेवा भारती पूर्वांचल के सहयोग से किया गया। यह कार्यक्रम जोरहाट चिकित्सा महाविद्यालय के ब्लड बैंक में आयोजित किया गया। इस शिविर में काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कामाख्या प्रसाद तासा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सांसद कमाख्या प्रसाद तासा ने इस अवसर पर रक्तदाताओं को मान पत्र देकर उनके इस उदार मनोभाव की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के इस कदम से जनसाधारण के बीच रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। सांसद कामाख्या तासा के अलावा कार्यक्रम में जोरहाट चिकित्सा महाविद्यालय के अधीक्षक डॉ. मानव गोहाईं, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अमृत सैकिया और कई अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ ही 100 से अधिक कनिष्ठ चिकित्सक (इंटर्न) और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कर्मचारी न सिर्फ उपस्थित रहे, बल्कि 100 से अधिक चिकित्सकों ने रक्तदान भी किया। इस रक्तदान कार्यक्रम ने यह उदाहरण पेश किया है कि चिकित्सक अपनी जिम्मेदारियों के अलावा सामाजिक कर्तव्य का भी एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, साथ ही रक्तदान के माध्यम से जीवन रक्षक इस महान कार्य में चिकित्सकों का उत्साह और सहभागिता सभी के लिए प्रेरणा स्रोत बनती है।

भारतीय आर्किटेक्ट संस्थान, असम चैप्टर बिल्डिंग सॉल्यूशंस प्रदर्शनी 2025 का उद्घाटन

गुवाहाटी। भारतीय आर्किटेक्ट संस्थान, असम चैप्टर ने आज मनीराम दीवान ट्रेड सेंटर, गुवाहाटी में वार्षिक बिल्डिंग सॉल्यूशंस प्रदर्शनी 2025 का उद्घाटन किया। 13 से 15 जून तक चलने वाला यह बहुप्रतीक्षित तीन दिवसीय कार्यक्रम आर्किटेक्ट, इंजीनियर, बिल्डर, डेवलपर, सलाहकार, छात्र और आम जनता के लिए एक अभिसरण बिंदु होने का वादा करता है। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि, एआर विश्व दत्ता ने एआरआरएन बैश्य, एआरएचके राजखोवा, एआर बुधिन बरठाकुर, एआर पंकज फूकन, एआर प्रीतम नाथ, एआर अमिताभ शर्मा, एआर सुकन्या दास और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया। अग्रणी ब्रांडों, उभरते निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं द्वारा स्थापित 70 से अधिक स्टॉल के साथ, प्रदर्शनी अत्याधुनिक सामग्रियों, प्रौद्योगिकियों, उपकरणों और आंतरिक और बाहरी प्रणालियों का एक व्यापक प्रदर्शन पेश करेगी। आगंतुकों को समाधानों के एक विस्तृत स्पेक्ट्रम के साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा जो हमारे निर्माण के तरीके को बदल रहे हैं। 2025 संस्करण ज्ञान-साझाकरण और पेशेवर विकास पर जोर देता है। शहरी कायाकल्प, एयर कंडीशनिंग सिस्टम डिजाइन और ग्रीन बिल्डिंग रणनीतियों जैसे विषयों को संबोधित करते हुए क्यूरेटेड सेमिनार और कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। 14 जून को ए-गृह प्रमाणित कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर बोलते हुए, बिल्डिंग सॉल्यूशन-25 के उपाध्यक्ष और संयोजक, एआर बुधिन बरठाकुर ने कहा कि बिल्डिंग सॉल्यूशंस प्रदर्शनी 2025 नवाचार, ज्ञान-साझाकरण और सहयोग के लिए एक मंच है। हम उद्योग के पेशेवरों, हितधारकों और जनता के साथ जुड़ने और भवन और निर्माण क्षेत्रों में नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों की खोज करने के लिए तत्पर हैं।

तामुलपुर में मनाया गया विश्व रक्तदान दिवस

तामुलपुर/गुवाहाटी (हिंस)। विश्व रक्तदान दिवस 2025 के अवसर पर आज तामूलपुर उप-मंडलीय सिविल अस्पताल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में तामूलपुर जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने भाग लिया और उन्होंने स्वेच्छा से रक्तदान कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। यह रक्तदान शिविर असम राज्य रक्त संक्रमण परिषद के अंतर्गत डीआरबी जिला सिविल अस्पताल, मुसलपुर के ब्लड सेंटर की पहल पर तामूलपुर जिला प्रशासन, भारतीय सेना की 107 माउंटेन ब्रिगेड और जिला स्वास्थ्य समिति, तामूलपुर के सहयोग से आयोजित किया गया। *रक्त दीजिए, आशा का संचार कीजिए : मिलकर जीवन बचाएं* - इस मूल संदेश के साथ आयोजित शिविर में सरकारी अधिकारी, सेना के कर्मी और दूसरी ओर विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर राजधानी के मालीगांव में आज एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *रक्तदान यानी जीवनदान* आह्वान के अनुसरण में सभी को जीवन के संकटपूर्ण क्षणों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर आज सुबह संजीवनी अस्पताल और वेल एंड सेफ्टी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। आयोजकों और स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से यह शिविर एक सफल सामाजिक कार्यक्रम में तब्दील हुआ। इस शिविर में लगभग पचास से अधिक स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य था-समाज में यह संदेश पहुंचाना कि रक्तदान के माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों में रोगियों का जीवन बचाया जा सकता है। संजीवनी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. भबेन चौधरी ने रक्तदान के महत्व को समझाते हुए कहा कि रक्तदान यानी जीवनदान। इस महान कार्य में सभी को आगे आना चाहिए।

रंगिया में गौरव गोगोई का भव्य स्वागत

रंगिया (नसं)। रंगिया में उपस्थित गौरव गोगोई का भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश कांग्रेस के नव नियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई आज अपराह्न रंगिया में उपस्थित हुए। युवा कांग्रेस के सदस्यों ने मोटरसाइकिल रैली करके गौरव गोगोई का स्वागत किया। अपने वक्तव्य में इस बार असम में एक जंग होने का दावा उन्होंने पुन: किया। दूसरी ओर, धुबड़ी के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि असम में गृह विभाग पूरी तरह से विफल हो गया है। जिसका हर घटना में इसका सबूत मौजूद है। दूसरी और उन्होंने असम की भूमि आडानी को देने पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने पुर जोर लहजे में कहा कि जोरहाट से शुरू हुआ तूफान अब पूरे असम में फैलने जा रहा है, जिसकी वजह से असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा डरे हुए हैं। गौरतलब हैं कि आज शनिवार को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नव नियुक्त अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्षी दल के उप नेता गौरव गोगोई रंगिया पधारे। इस अवसर पर एक कार्यकर्ता सभा का आयोजन किया गया। उक्त सभा में सभी स्तर के दल के नेता, कार्यकर्ता और शुभचिंतक लोगों की उपस्थिति रहे। सभा के उपरांत संवाददाताओं से बातचीत में गौरव गोगोई ने भाजपा तथा शासकीय दल के नेताओं को हाशिए पर रखा। रंगिया राजीव भवन में आयोजित सभा को जहिरुल इस्लाम, अध्यक्ष, रंगिया ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, उज्वल लहकर, अध्यक्ष, रंगिया नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तथा दिगंत शर्मा, अध्यक्ष, पूबपार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने नेतृत्व प्रदान किया।

संपादकीय

सदी का त्रासद विमान हादसा

अहमदाबाद विमान हादसा इस सदी की सबसे भयावह त्रासदी है। देश ही नहीं, दुनिया भी स्तब्ध है कि इतना खौफनाक हादसा कैसे हुआ? नियति का निर्णय था, लिहाजा एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश, जिंदा भी बच गया। यह कुदरती चमत्कार ही है। अलबत्ता विमान में सवार सभी यात्री, दो पायलट और 10 क्रू मेंबर की हादसे में मौत हो गई। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और कुछ उद्योगपति भी यात्रियों में शामिल थे। यात्रियों में 217 वयस्क, 11 बच्चे और 2 नवजात शिशु थे। यह नियति का बेहद क्रूर न्याय है। जीवन छीनना था, तो प्राण ही क्यों दिए? हैरत है कि नियति ने सभी की मौत एक साथ, एक ही विमान में, तय कर रखी थी! एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री सवार थे। उड़ान को लंदन जाना था। पल भर में ही तमाम ख्वाहिशें, सपने, परिवार चिंदी-चिंदी हो गए। जीवन राख बन गया। बहरहाल अब जांच का दायरा 'अंतरराष्ट्रीय' हो गया है। 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन' को 30 दिनों के भीतर रपट सौंपनी होगी। बुनियादी जांच 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो' (एएआईबी) ही करेगा, जो भारत सरकार के नागरिक विमानन मंत्रालय से ही संबद्ध एक कार्यालय है। भारतीय वायुक्षेत्र में सभी गंभीर विमान हादसों की जांच यही ब्यूरो करता है। बहरहाल सभी रपटों को सार्वजनिक जरूर किया जाए, ताकि आम आदमी भी हादसे के कारण जान सके। यह विमान हादसा सबसे त्रासद इसलिए है, क्योंकि विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की इमारत से टकराया और उसका एक हिस्सा इमारत में ही फंसा रह गया। वह दोपहर का भोजन करने का समय था, लिहाजा मेस में कुछ डॉक्टर, एमबीबीएस छात्र, नर्सिंग छात्र और अन्य खाना खा रहे थे। विमान वज्रपात की तरह क्रैश हुआ और धडक़ती जिंदगियों को पल भर में ही लाश बना दिया। कुछ तो विमान की आग के तापमान में जल कर खाक हो गए। ऐसी मौतों की संख्या 27 बताई गई है और 20 डॉक्टर लापता बताए जा रहे हैं। कितनी भयावह त्रासदी है यह! मन चीत्कार कर रहा है। मौतों की पुष्टि के बाद ही अधिकृत आंकड़ा देना नैतिक होगा। वैसे दुनिया के सामने सब स्पष्ट है कि कितना विध्वंसक हादसा है यह! इसे सामान्य घटना तो कोई मान ही नहीं सकता, लेकिन अचंभा है कि बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर सरीखा आधुनिक, विकसित और सबसे अधिक भरोसेमंद विमान इस तरह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ? बोइंग विमान के 14 साल के सफर में 1175 विमानों में, 2100 उड़ानें प्रतिदिन के हिसाब से, 1 अरब से अधिक यात्री अब तक उड़ान भर चुके हैं। एक भी ड्रीमलाइनर विमान क्रैश नहीं हुआ। इसे लंबी दूरी का सबसे विशिष्ट विमान माना जाता है। दुनिया की बड़ी विमानन कंपनियां इन्हीं विमानों का इस्तेमाल करती रही हैं, लेकिन खूबियों के बावजूद ड्रीमलाइनर विमान में तकनीकी खामियां भी सामने आती रही हैं। ये खामियां भारतीय संसद में भी गूंज चुकी हैं। अधिकतर विशेषज्ञों के आकलन हैं कि विमान के दोनों इंजन बंद हो गए, लिहाजा विमान को थ्रष्ट नहीं मिल पाया, नतीजतन 625 फीट तक उड़ान भरने के बाद विमान ऊपर नहीं जा सका। अंततः नीचे आकर क्रैश हो गया। विशेषज्ञ यह सवाल भी करते हैं कि अचानक दोनों इंजन कैसे फेल हो गए? विमान में जीई कंपनी के इंजन लगाए जाते हैं, जो सबसे विश्वसनीय माने जाते रहे हैं। विमान से ईंधन लीक होने, लीथियम बैटरी, कम्प्यूटर चिप संबंधी चेतावनियां सामने आती रही हैं। बैटरी के कारण ज्यादा हीटिंग भी एक भयंकर समस्या है। ये चिप ऐसी हैं, जिन्हें हैक किया जा सकता है। जहां हादसा हुआ है, वहां विशेषज्ञ पक्षियों की आशंका से भी इंकार नहीं कर रहे हैं। स्पीड सेंसर ने ठीक से काम न किया हो, उससे विमान को स्पीड सिस्टम का गलत डाटा मिल रहा होगा। साफ्टवेयर की गलती भी हो सकती है। उड़ान भरते ही कोई समस्या आई होगी, लिहाजा पायलट सुमित सभ्रवाल को 'मे डे कॉल' (जानलेवा खतरे की कॉल) करनी पड़ी। पायलट को 8200 घंटे उड़ान का अनुभव था, लिहाजा मानवीय त्रुटि की बात गले नहीं उतरती। बोइंग विमान को बार-बार तकनीकी जांच का सामना करना पड़ रहा था, ऐसा एक सर्वश्रेष्ठ विमान में कैसे संभव है? बहरहाल 'ब्लैक बॉक्स' के बाद ही यथार्थ सामने आएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने इस हादसे की न्यायिक जांच की मांग की है।

देश ही नहीं, दुनिया भी स्तब्ध है कि इतना खौफनाक हादसा कैसे हुआ? नियति का निर्णय था, लिहाजा एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश, जिंदा भी बच गया। यह कुदरती चमत्कार ही है। अलबत्ता विमान में सवार सभी यात्री, दो पायलट और 10 क्रू मेंबर की हादसे में मौत हो गई। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और कुछ उद्योगपति भी यात्रियों में शामिल थे। यात्रियों में 217 वयस्क, 11 बच्चे और 2 नवजात शिशु थे। यह नियति का बेहद क्रूर न्याय है। जीवन छीनना था, तो प्राण ही क्यों दिए? हैरत है कि नियति ने सभी की मौत एक साथ, एक ही विमान में, तय कर रखी थी! एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री सवार थे। उड़ान को लंदन जाना था। पल भर में ही तमाम ख्वाहिशें, सपने, परिवार चिंदी-चिंदी हो गए। जीवन राख बन गया। बहरहाल अब जांच का दायरा 'अंतरराष्ट्रीय' हो गया है। 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन' को 30 दिनों के भीतर रपट सौंपनी होगी। बुनियादी जांच 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो' (एएआईबी) ही करेगा, जो भारत सरकार के नागरिक विमानन मंत्रालय से ही संबद्ध एक कार्यालय है।

आप का नजरीया

एयरपोर्ट इसलिए

बार बार पूछा गया हिमाचल में बड़ा एयरपोर्ट किसलिए, लेकिन अब सुक्खू सरकार कम से कम यह समझाने में एक तरह से कामयाब हो चुकी है कि कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार अगली कई सदियों और पीढियों को सुधारने के लिए इसलिए जरूरी है। सरकार ने कई संघर्ष शांत किए और यहां आर्थिकी के लिए एयरपोर्ट विस्तार योजना के लिए मौके को दुरुस्त किया। हिमाचल के भौगोलिक माप तोल में बड़े एयरपोर्ट की निशानदेही के लिए खंभे तो बहुत गाड़े गए, लेकिन न धूमल सरकार बनखंडी का पहाड़ खोद पाई और न ही जयराम सरकार बल्ह में एयरपोर्ट की संभावना को सिरे चढ़ा पाई। ऐसे में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने जिस शिद्दत से कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की सारी संभावना, क्षमता और उपयोगिता को प्रदर्शित किया, उससे अब एक बड़े आकाश की खोज शुरू हुई है। वैसे तो केंद्र सरकार के पास कई संकल्प व योजनाएं हैं, जहां से सीधे फंडिंग से इस परियोजना को अपना मकसद मिल पाता। बहरहाल, इस तरह के संवाद में केंद्र हिमाचल को अपनी प्राथमिक सूची में नहीं रखना चाहता, तो दूसरा रास्ता निजी निवेश या बाहरी कर्ज से इसे मुकम्मल करने का ही दिखाई देता है। अभी तक भूअधिग्रहण में प्रारंभिक तौर पर 350 करोड़ आवंटित हो चुके हैं, जबकि नौ सौ करोड़ के अवार्ड के लिए धन की व्यवस्था चाहिए। पहाड़ पर इतने बड़े एयरपोर्ट को उकेरने के लिए जितनी आरंभिक औपचारिकताओं की पैमाइश, समझौतों की गुंजाइश और जनता के साथ आजमाइश थी, उसे सुक्खू सरकार लगभग पूरा कर चुकी है। विस्थापितों की आपत्तियों को भविष्य के परिदृश्य में सुलझाने का शपथपत्र तैयार है। ऐसे में अब वित्तीय आधार पर ही ऐसी महत्त्वाकांक्षी परियोजना का अगला पड़ाव खोजा जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में राज्य के मुख्य सचिव तेलंगाना में हाउसिंग एंड अर्वन डिवेलपमेंट कारपोरेशन यानी हुडको के वित्तीय सहयोग से बन रही परियोजनाओं का अध्ययन करने गए हैं। हुडको अगर साढ़े तीन से चार हजार करोड़ का वित्त पोषण करता है, तो भविष्य के नक्शे पर हिमाचल में बड़े एयरपोर्ट के विस्तार का वजूद होगा। तेलंगाना राज्य अपनी बारह परियोजनाएं हुडको की 12677 करोड़ की फंडिंग से पूरा कर रहा है। हिमाचल की दृष्टि से यह आज तक की एक बड़ी परियोजना है, लिहाजा फंडिंग का पैमाना भी बड़ा और कड़ा ही होगा। इसके मायने यह भी कि राज्य सरकार अपने स्तर पर इस पूरी परियोजना का भार उठाने के लिए तैयार और दृढ़प्रतिज्ञ जान पड़ती है। विकास की नई सदी खोलने के लिए बहुत बड़ी परीक्षा से हिमाचल गुजर रहा है। सोच की सार्थकता यह है कि ऐसी परियोजनाएं शुरू किए बगैर हम हाई एंड टूरिस्ट को यहां नहीं ला पाएंगे। हिमाचल में इवेंट टूरिज्म, कानवेंशन टूरिज्म, कामर्शियल टूरिज्म, सिने टूरिज्म के अलावा वेडिंग टूरिज्म की बढ़ती मांग के हिसाब से यह एयरपोर्ट एक सफल परियोजना के अनेक मानकों को पूरा करता है। मंडी-पठानकोट फोरलेन के चक्के फिलहाल एयरपोर्ट विस्तार की स्थिति के कारण रुके हैं, अतः इस दिशा में अंतिम आदेश की दरकार है।

विश्व की स्थितियों को एक साथ मिलाकर देखें तो निष्कर्ष वही नहीं आएगा जैसा हमारे देश में तात्कालिक तौर पर निकाला गया

प्रतिनिधिमंडल ने पाक के साथ आतंक विरोधी वैश्विक युद्ध की भी आधारभूमि तैयार की

अवधेश वुमार

भारत को बा समस्याओं से मुत्त करते हुए जब बिना घोषणा किए विश्व का नेतृत्व करने तथा भारी संख्या में देशों को अपने साथ लाने के व्यापक कल्पनातीत लक्ष्य पर अग्रसर हों तो किसी देश के नेतृत्व द्वारा दिए प्रतिवूल वत्तव्य पर भी त्वरित उग्र प्रतिव्रिया नहीं देते। इतने बड़े लक्ष्य के लिए देश को भी काफी वुछ परित्याग के लिए तैयार रहना होगा। प्रतिनिधिमंडल ने पाक के साथ आतंक विरोधी वैश्विक युद्ध की भी आधारभूमि तैयार की सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सातों टीमें विदेश यात्रा समाप्त कर लौट चुकी है। हमारे देश में ऐसे कदमों की हमेशा भूतकाल की घटनाओं से तुलना की जाती है। इसके बारे में भी सामान्य प्रतिव्रिया थी कि पहले भी विदेश में प्रतिनिधिमंडल भेजे गए हैं। भारत छोड़िए, क्या आधुनिक विश्व के इतिहास में किसी देश ने एक साथ इतना बड़ा प्रतिनिधिमंडल 33 देश की यात्राओं पर इतने कम समय में अपने देश का पक्ष रखने के लिए भेजा था? वास्तव में केवल भारत नहीं संपूर्ण विश्व की दृष्टि से यह अभूतपूर्व कदम था। चूंकि कि हर मुद्दे व नीतियों की संवुचित राजनीतिक वैचारिक दृष्टि से मूल्यांकन करने का घातक चरित्र भारत में विकसित है इसलिए गहराईं से सोचने का माद्दा धीरे-धीरे क्षीण हो रहा है। इस कदम की भी देश के अंदर जितनी व्यापक आलोचना हुईं वह सामने है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने तो इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षो की वूटनीति और विदेश नीति के मोर्चे पर विफलता का प्रतिबिब बता दिया। किसी ने नहीं सोचा कि पाकिस्तान के दो समर्थक देशों को छोड़कर भारत के विरुद्ध दुनिया से एक स्वर नहीं आया। तो फिर विदेश में इतने बड़े वूटनीति का अभियान की आवश्यकता क्या थी? आप पहलगाम हमले के बाद भारत की संपूर्ण प्रतिव्रियाओं और ऑपरेशन सिदूर तथा उनसे जुड़ी हुईं रक्षा व राजनयिक गतिविधियों, विदेश की प्रतियािओं तथा इस समय संपूर्ण विश्व की स्थितियों को एक साथ मिलाकर देखें तो निष्कर्ष वही नहीं आएगा जैसा हमारे देश में तात्कालिक तौर पर निकाला गया है। मोदी सरकार विरोधी नेता विशेषकर कांग्रेस की पूरी बुद्धि इसमें लगी है कि ऑपरेशन सिदूर में भारत की क्षति को सामने लाया जाए या लोगों के अंदर भाव पैदा किया जाए कि हमारा नुकसान बहुत ज्यादा हुआ। कोईं भी युद्ध बगैर नुकसान के नहीं लड़ा जा सकता इतनी बात मोटी बुद्धि में भी आ जाएगी। मुख्य बात अपने संकल्प और प्राप्ति की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प साफ दिखता है -चाहे जितनी क्षति हो, वूटनीतिक, रक्षा एवं आर्थिक मोर्चे पर संपूर्ण चुनौतियों का सामना करते हुए हर हाल में आतंकवाद से मुत्ति पाना है। ऐसा अभूतपूर्व प्रतिनिधिमंडल इसलिए नहीं भेजा गया कि केवल पाकिस्तान के विरुद्ध आपरेशन सिदूर कि कार्रवाईं के बारे में दुनिया को बताना है। भारत का मत बिल्वुल स्पष्ट है, आतंकवाद की हर घटना युद्ध मानी जाएगी और प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि कि केवल आतंकवादियों की नहीं, सत्ता और सेना की कार्रवाईं मानकर ही कदम उठेगा इसमें जिसको साथ देना है दे, नहीं देना है नहीं दे। निाति रूप से दीर्घकालीन योजना बन चुकी है। सुनने में भले सामान्य लगे

भारत छोड़िए, क्या आधुनिक विश्व के इतिहास में किसी देश ने एक साथ इतना बड़ा प्रतिनिधिमंडल 33 देश की यात्राओं पर इतने कम समय में अपने देश का पक्ष रखने के लिए भेजा था? वास्तव में केवल भारत नहीं संपूर्ण विश्व की दृष्टि से यह अभूतपूर्व कदम था। चूंकि कि हर मुद्दे व नीतियों की संवुचित राजनीतिक वैचारिक दृष्टि से मूल्यांकन करने का घातक चरित्र भारत में विकसित है इसलिए गहराईं से सोचने का माद्दा धीरे-धीरे क्षीण हो रहा है। इस कदम की भी देश के अंदर जितनी व्यापक आलोचना हुईं वह सामने है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने तो इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षो की वूटनीति और विदेश नीति के मोर्चे पर विफलता का प्रतिबिब बता दिया।

लेकिन यह बहुत बड़ा लक्ष्य है और इसके आयाम पाकिस्तान से निकलकर विश्वव्यापी हैं। विदेश गए प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान पर फोकस करते हुए उसकी आंतरिक कलह, आतंकवाद की वैश्विक स्थिति, जम्मू कश्मीर की संपूर्ण स्थिति, जिसमें पाक अधिवृत कश्मीर के भाग को चीन को दिया जाना भी शामिल है, रखा है। विश्व को बताया है कि अनेक देशों के आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान में है और यह समाप्त नहीं हुआ है। भारत ने आतंकवाद पर अपना मत दंभी देशों के समक्ष रखा। स्वाभाविक ही प्रकारांतर से इसमें यह भी निहित है कि आतंकवाद विरोधी युद्ध पहले से ज्यादा कठिन और अपरिहार्य हो चुका है। अमेरिकी नेतृत्व में नाटो और पामिी देशों द्वारा आरंभ आतंकवाद विरोधी वैश्विक शुद्ध शर्मनाक रूप से विफल हो चुका है। स्वयं अमेरिका अफगानिस्तान से लेकर इराक, लीबिया, सीरिया .द्ध भाग चुका है। सीरिया में अमेरिका ने अपने ही द्वारा घोषित आतंकवादी को सत्ता कब्जाने में मदद की और वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उससे हाथ मिलाने चले गए। परिणामतः आतंकवादी समूहों तथा उनको प्रश्रय देने वाले देशों का हौंसला बुलंद है, वे निर्भय हैं तथा पीड़ित देश डरे सहमे और किकर्तव्यविमूढ़ हैं। इसमें पाकिस्तान जैसे नाभिकीय संपन्न देश के विरुद्ध कार्रवाईं तथा आर्थिक एवं वूटनीतिक घेरेबंदी विश्वव्यापी आतंकवाद विरोधी युद्ध का भारत के नेतृत्व में नये सिरे से आगे बढ़ाया जाना है। भारत ने 1996 से आतंकवाद की परिभाषा के लिए संयुत्त राष्ट्र संघ में प्रस्ताव लपेश किया हुआ है। आतंकवाद के विरुद्ध बोलने वाले देश भी उसे पारित कर एक परिभाषा तय करने को तैयार नहीं। ये आतंकवाद को विश्व स्तर से समाप्त करने के लिए या हमारे लिए लड़ेंगे ऐसी कल्पना ही बेमानी है। इसलिए भारत का लक्ष्य अपने आर्थिक व रक्षा क्षमताओं का विस्तार करते हुए आतंकवाद के वैश्विक वेंद्र पाकिस्तान को इस स्थिति में लाना है जिससे भविष्य में वह इसे प्रायोजित करने की अवस्था में ही न रहे। आप देखेंगे पीओके यानी पाक अधिवृत कश्मीर पर केवल विपक्ष प्रश्न नहीं उठा रहा प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, विदेश मंत्री सब आव्रामक और मुखर वत्तव्य देकर उसे हासिल करने का संकल्प दोहरा रहे। यह भी बहुआयामी नीति है। इसमें पाकिस्तान के भौगोलिक और राजनीतिक विखंडन की गति को तेज करने की रणनीति शामिल दिखती है। यानी इस समय पाकिस्तान जिस अवस्था में है इसके रहते हुए जम्मू कश्मीर की समस्या ही नहीं इस्लाम मजहब प्रेरित आतंकवाद का अंत संभव नहीं। तो जब प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिदूर को अखंड प्रतिज्ञा बताते हुए कहते हैं कि यह केवल स्थगित हुआ है, हमारी सेना के शीर्ष अधिकारी इसे जारी रखने की बात कहते हैं और रक्षा मंत्री इसे पूरी फिल्म का केवल ट्रेलर बताते हैं तो यह केवल लोगों की भावनाओं का दोहन नहीं है। गहराईं से देखें तो ऑपरेशन सिदूर का लक्ष्य अंग्रेजी में नो मोर पाकिस्तान यानी पाकिस्तान का विखंडन या इसके भौगोलिक एवं वर्तमान राजनीतिक अस्तित्व को खत्म करना दिखेगा। हमें इसमें अतिवादी सोच की गंध आ सकती है। थोड़ी गहराईं से देखिए तो पाकिस्तान इस्लाम की जिस अतिवादी अवधारणा पर पैदा हुआ उसमें अंर्तनिहित दोष हैं और इस कारण वह कभी पूरी तरह शांत, स्थिर और एकजुट देश नहीं बन सका। बलूचिस्तान, सिध और खैबर पख्तूनख्वा में अहिसक, हिसक विखंडन अभियान चरम पर है। पीओके में भी पाकिस्तान के विरुद्ध असंतोष व्यापक है। हालांकि इन सबका मजहब इस्लाम है और इस नाते हम ऐसा नहीं मानते कि भारत के प्रति उनकी व्यापक सहानुभूति होगी। कितु बलूचिस्तान और काफी हद तक सिध में हिसक अहिसक दोनों अभियान चलाने वाले भारत से मदद मांगते हैं। आप देखिए पिछले ढाईं सालों में भारत में वांछित आतंकवादी, जिसे पाकिस्तान सौंपने को तैयार नहीं था, लगातार उसकी भूमि पर मारे जा रहे हैं और उसे समझ नहीं आ रहा कि कौन शत्तियां ऐसा कर रही है। इसके वुछ तो मायने हैं। वर्तमान फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर मोहम्मद साहब द्वारा स्थापित रियासत ए तैयबा के बाद पाकिस्तान को दूसरा शुद्ध इस्लाम यानी कलमा पर आधारित देश बताते हुए हिदुओं सहित अन्य पंथों के विरुद्ध नफरत और हिसा को प्रोत्साहित करने की रणनीति का दोहरा असर होगा। दूसरी ओर यह आचथण विद्रोह को भी आगे बढ़ाएगा। 1948 से अभी तक के अनुभव बताते हैं कि पाकिस्तान से किसी तरह के ईंमानदार शांतिकारी कदमों को व्रियान्वित करने की उम्मीद आत्मघाती ही साबित होगा। इसलिए मोदी सरकार की मानसिकता प्रधानमंत्री के ही वत्तव्य से बिल्वुल स्पष्ट दिखाईं पड़ती है। अगर विपक्ष या किसी को इसमें संदेह है तो समस्या उनकी है। भारत उस मानसिकता और व्यवहार से निकल कर आगे बढ़ चुका है, विपक्ष और मोदी सरकार विरोधी अभी तक उसी सीमित परिधि में सोचते तथा व्यवहार करते हैं। वे कल्पना ही नहीं कर सकते कि भारत विश्व स्तर पर नए सिरे से आतंकवाद विरोधी युद्ध के नेतृत्व के लिए अपनी क्षमताओं का ध्यान रखते हुए भी अग्रसर हो चुका है और यह रास्ता न केवल पाकिस्तान और चीन के साथ समस्याओं के स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा, भारत की एकता अखंडता को सुरक्षित करेगा तथा भारतीय सोच के अनुसार नईं विश्व व्यवस्था निर्धारित होने की आधारभूमि बनेगी। भारत को बा समस्याओं से मुत्त करते हुए जब बिना घोषणा किये विश्व का नेतृत्व करने तथा भारी संख्या में देशों को अपने साथ लाने के व्यापक कल्पनातीत लक्ष्य पर अग्रसर हों तो किसी देश के नेतृत्व द्वारा दिये प्रतिवूल वत्तव्य पर भी त्वरित उग्र प्रतिायिा नहीं देते।

देश दुनीया से

विश्व व्यापार संगठन का अस्तित्व

हाल ही में अमरीका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुत से देशों के आयात पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाकर एक व्यापार युद्ध शुरू कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ के जवाब में कनाडा, मैक्सिको, यूरोपियन यूनियन देशों, चीन, जापान आदि देशों ने भी रेसिप्रोकल टैरिफ अमरीका की वस्तुओं पर लगाने की घोषणा कर दी है। परंतु अब अमरीका रेसिप्रोकल टैरिफ के नकारात्मक प्रभावों को भांपते हुए और अपने देश का हित ऊपर रखते हुए, रेसिप्रोकल टैरिफ पर इन देशों के साथ बातचीत कर रहा है। भारत ने अमरीकी वस्तुओं पर कोई जवाबी टैरिफ नहीं लगाया है और बातचीत का रास्ता अख्तियार किया है। पहले भी अमरीका और चीन के बीच में ट्रेड वॉर हो चुका है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार को बड़ा नुकसान हुआ था। 1930 में अमरीका ने स्मूट हाले टैरिफ कानून के तहत अमरीका के व्यापार और किसानों के संरक्षण के लिए आयात शुल्क लगाया था। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने से अमरीका के उद्योगों को संरक्षण मिलेगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। परंतु विश्व के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ट्रंप द्वारा भारी टैरिफ लगाने से अमरीका में महंगाई बढने और मंदी का खतरा है। इससे ग्रोथ धीमी हो सकती है। अमरीका के साथ-साथ ट्रेड वॉर से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर मंदी का खतरा मंडराने लगेगा। टैरिफ से वस्तुओं की कीमत बढ़ेगी, जिससे महंगाई बढ़ेगी, मांग कम होगी और मंदी के दौर के आने का खतरा पैदा होगा। टैरिफ, व्यापार और डंपिंग पर सामान्य समझौते के लिए जीएटीटी (गैट) बना था। गैट की स्थापना इस उद्देश्य से की थी कि कमजोर अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया जा सके और वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थापित किया जा सके। जीएटीटी अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संचालन के लिए टैरिफ, व्यापार और डंपिंग पर बने नियम हैं। ये ही नियम डब्ल्यूटीओ की नींव हैं। 1994 के मारकेश समझौते के अनुसरण में एक जनवरी 1995 को जीएटीटी के स्थान पर डब्ल्यूटीओ ने जगह ली। डब्ल्यूटीओ ने ग्लोबलाइजेशन से सूचना, विचार, प्रौद्योगिकी, माल, सेवा, पूंजी, वित्त और लोगों के प्रवाह के माध्यम से अर्थव्यवस्थाओं और समाजों का एकीकरण करने में सहायता की है। इससे भारत जैसे विकासशील देशों को आगे बढने में सहायता मिली है। परंतु विकसित देश, जिसमें अमरीका भी शामिल है, हमेशा व्यापार के जरिए विश्व पर अपना नियंत्रण करना चाहते हैं। सभी देशों के बीच सही व्यापार नीति का निर्धारण करने के लिए डब्ल्यूटीओ अभी भी वस्तुओं के व्यापार को तय किए हुए नियमों से निपटता है। ट्रेड वॉर को रोकने के लिए वर्तमान में डब्ल्यूटीओ की स्थापना की गई थी। डब्ल्यूटीओ व्यापार समझौतों पर बातचीत के लिए एक ढांचा प्रदान करके, भाग लेने वाले देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और बौद्धिक संपदा में व्यापार की सुविधा प्रदान करता है। इसका उद्देश्य आम तौर पर टैरिफ कोटा और अन्य प्रतिबंधों को कम करना या खत्म करना होता है। संगठन, व्यापारिक सांझेदारों के बीच भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। इसके 166 सदस्य (162 संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश, यूरोपीय संघ, हांगकांग, मकाउ और ताइवान) हैं। डब्ल्यूटीओ ने व्यापार बढ़ाया है और व्यापार बाधाओं को कम किया है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा से विश्व व्यापार संगठन और एमएफएन का जैसे अंत ही हो गया है। अमरीका ने इससे अपनी अर्थव्यवस्था को एक बंद अर्थव्यस्था बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों, जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक और जाने-माने अर्थशास्त्रियों ने भी पूर्ण विश्व में टैरिफ मुक्त व्यापार की वकालत की है। भारत ने भी अपनी अर्थव्यवस्था को 1991 में इन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के दबाव में संरक्षण की नीति से आजाद किया था। ट्रंप का कहना है कि भारत का आयात शुल्क ज्यादा है जिसे भारत को कम करना चाहिए। खासकर विनिर्माण और कृषि वस्तुओं पर, ताकि अमरीका अपने उत्पादों का आधार भारत में बढ़ा सके। भारत इसका विरोध कर रहा है और करना भी चाहिए, क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसकी 70 प्रतिशत जनता की आजीविका का प्रश्न है। भारत को अपने उद्योगों एवं कृषि, डेयरी, टैक्सटाइल आदि क्षेत्र, जो श्रम गहन हैं, को संरक्षण देने की आवश्यकता है तथा व्यापार संतुलन को भारत के पक्ष में रखने की कोशिश करनी होगी। भारत को अपने निर्यात के प्रतिस्पर्धियों पर लगे टैरिफ तथा उनके द्वारा जवाबी कार्रवाई का अध्ययन कर, आगामी रणनीति को अपनाना होगा। साथ में भारत को अमरीका के साथ तय द्विपक्षीय कारोबार की सीमा को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक ले जाने की जो बात हुई है, उसको प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए। भारत को अमरीका के साथ व्यापार करने से पहले अतीत में भी जाना होगा।

कुछ अलग

मिलकर शक्ति बढ़ाएं

गुरु वशिष्ठ जी के आशीर्वाद से राम जी पहली बार घर से निकले थे ऋषि विश्वामित्र जी के साथ, ऋषि व मानवता की सेवा के लिए। राम जी के मुख से बोल भी तभी पहली बार निकले थे। तुलसीदास जी ने पहली बार राम जी को बोलते हुए विश्वामित्र जी के साथ ही दिखाया है। वन-आश्रम में जब यज्ञ प्रारंभ होने वाला था, तब सबसे पहले राम जी ने जो कहा, उसे तुलसीदास जी ने लिखा। वह सावधान थे कि जब राम-वचन की शुरुआत करूंगा, तो जिसके लिए ईश्वर ने अवतार लिया है, उसके लिए करूंगा। सबसे पहले राम जी ने कहा – निर्भय जग्य करहु तुम्ह जाई। अर्थात, आप निर्भय होकर यज्ञ कीजिए। रामजी ने विश्वामित्र जी से कहा, जो राक्षस आएंगे, उन्हें मैं कालकलवित कर दूंगा। यज्ञ धर्म का सबसे बड़ा कृत्य है। देवता जितना देते हैं, उसके बदले में हम भी उन्हें दें। उनका अभिनंदन करें, तब हमारी मानवता, हमारा व्यक्तित्व देवत्व को प्राप्त करेगा। जीवन की सबसे बड़ी ऊंचाई यही होती है कि हम अपने बच्चे को कैसे ऊंचाई तक ले जाएं, तो विश्वामित्र जी का और वशिष्ठ जी, दोनों का ऋषित्व मिलकर संसार के उपकार का मार्ग प्रशस्त करता है। लोग कहा करते हैं कि राम जी अद्भुत हैं, ऋषि के समान हैं। उन्होंने विश्वामित्र जी और वशिष्ठ जी को मिला दिया। कौशल्या और कैकयी की दूरी को कम कर दिया। उत्तर और दक्षिण को जोड़ दिया। वन, ग्राम और नगर को मिला दिया। आज राम जी जैसा सोचने की जरूरत है। विश्वामित्र और वशिष्ठ जी की तरह सोचने की जरूरत है। संतों और आचार्यों के जीवन का मुख्य उद्देश्य धर्म की स्थापना है, लेकिन अब तो सभी लोग धन एकत्र करने लगे हैं कि कैसे मठ बड़ा हो जाए, कैसे गाड़ियां बड़ी हो जाएं। राम जी ने सबको जोड़ा और संपूर्ण मानवता के लिए अर्पित किया। असंख्य जीवों का उद्धार किया। कैसी अनुपमता जीवन में प्रकट हुई! इसी तरह के परिवर्तन आज के संत समाज में होने चाहिए। ऐसा हुआ, तो पूरे विश्व को लाभ होगा। धन, विद्या, शक्त इत्यादि सबमें वृद्धि होगी। आज जो अभाव है, एक दूसरे को सहन नहीं करने से उपजा अभाव है। कहीं-कहीं लगता है कि केवल हम हम ही हों, दूसरा कोई न हो, यह गलत प्रवृत्ति है। विश्वामित्र जी कहते थे कि हमारे एक हाथ में वेद है और दूसरे में धनुष। शास्त्र भी है और शक्त भी है। जिसके जीवन में केवल शास्त्र ही हो, उसका जीवन अधूरा है और जिसके जीवन में केवल शक्त हो, उसका जीवन अधूरा है। ध्यान देने की बात है कि हमने धन बल को बढ़ाया, तप बल को नहीं बढ़ाया, इसलिए देश लंबे समय के लिए गुलाम हो गया।

दृष्टि कोण

रक्त की हर बूंद में छिपी है किसी घर की मुस्कान

रक्तदान को पूरी दुनिया में सबसे बड़ा दान माना गया है क्योंकि रक्तदान ही है, जो न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है बल्कि जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के ढेरों रंग भी भरता है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है और आप एकाएक उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं और आपके द्वारा किए गए रक्तदान से उसकी जिंदगी बच जाती है तो आपको कितनी खुशी होगी। हालांकि एक समय था, जब चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि किसी दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त के अभाव में असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था, किंतु अब स्थिति बिल्कुल अलग है, लेकिन फिर भी यह विडंबना ही कही जाएगी कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल करोड़ों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं, जिनमें अकेले भारत में ही रक्त की कमी के चलते होने वाली ऐसी मौतों की संख्या करीब बीस लाख होती है क्योंकि देश में प्रतिवर्ष करीब पच्चीस लाख यूनिट रक्त की कमी रह जाती है। दरअसल रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है, शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं या एचआईवी जैसी बीमारी हो सकती है। इस तरह की भ्रांतियों को लेकर लोगों को जागरूक करने के प्रयास किए जाते रहे हैं, किन्तु

अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। रक्तदान करने से शरीर को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि रक्तदान से तो शरीर को कई फायदे ही होते हैं। जहां तक रक्तदान से संक्रमण की बात है तो सभी स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा रक्त लेते समय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय मानक तरीके अपनाए जाते हैं, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं होता। 18 साल से अधिक उम्र का शारीरिक रूप से स्वस्थ कम से कम 45 किलो से अधिक वजन का कोई भी वयस्क स्वेच्छा से कम से कम तीन माह के अंतराल पर साल में 3-4 बार रक्तदान कर सकता है। कुछ लोगों को रक्तदान के समय हल्की कमजोरी का अहसास हो सकता है, किन्तु यह चंद घंटों के लिए अस्थायी ही होता है। इसके उलट रक्तदान के फायदों की चर्चा करें तो रक्तदान करते रहने से खून की प्राकृतिक रूप से सफाई होती है और रक्त कुछ पतला हो जाने से खून में थक्के नहीं जमते, जिससे हार्ट अटैक की संभावना बेहद कम हो जाती है। रक्तदान के बाद शरीर में जो नए ब्लड सेल्स बनते हैं, उनमें किसी भी बीमारी से लडने की अपेक्षाकृत अधिक ताकत होती है और यह स्वच्छ व ताजा रक्त शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मददगार होता है, जिससे न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है, बल्कि कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से बचाव, कुछ हद तक मोटापे पर नियंत्रण तथा कई संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। रक्त में आयरन की मात्रा नियंत्रित हो जाने से लीवर की कार्यक्षमता बढ़ जाती है। जीवनदायी रक्त की महत्ता के मद्देनजर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून 1868 को जन्मे कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस पर 14 जून 2004 को रक्तदान दिवस की शुरुआत की गई थी और तब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस तथा रेड क्रिसेंट सोसायटीज द्वारा रक्तदान दिवस मनाया गया था, तभी से यह दिन रक्तदान के नाम कर दिया गया। विश्व रक्तदान दिवस की शुरुआत का उद्देश्य यही था कि चूंकि दुनियाभर में लाखों लोग समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मौत के मुंह में समा जाते हैं, अतः लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाए।

गृहमंत्री अमित शाह यूपी पुलिस के चयनित 60, 244 आरक्षियों को सौपेंगे नियुक्ति पत्र

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल नागरिक पुलिस के 60, 244 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को 15 जून को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयिजत समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। इसके लिए तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने शनिवार को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पत्रकारों को बताया कि डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में नवचयनित पुलिस कांस्टेबलों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की भव्य तैयारियां चल रही हैं। चयनित अभ्यर्थियों में पुरुष और महिला शामिल हैं। हर जिले के कोने-कोने से चयनित अभ्यर्थी लखनऊ पहुंचेंगे। इसके लिए जिलों से परिवहन की समुचित व्यवस्था भी की गई है। उनके रहने, खाने और गर्मी को ध्यान में रखते हुए सारी व्यवस्थाएं की गई हैं। इस आयोजन को सफल बनाने के उद्देश्य से सभी विभागों के अधिकारी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। डीजीपी ने कहा कि इस परीक्षा को पारदर्शिता से कराना पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस परीक्षा से पहले तमाम परीक्षाएं हुई थीं, जिसमें कई सवाल खड़े हुऐ थे। विभागीय अधिकारियों ने इसे चैलेंज के रूप में लिया और परीक्षा को सफल बनाने में अहम भूमिक निभाई है। चयनित अभ्यर्थियोंको कल नियुक्त पत्र दिया जाएगा। इस आयोजन को देखते हुए यातायात निदेशालय ने लखनऊ, कानपुर समेत 10 जिलों में यातायात रूट डायवर्ट कर दिया है। लखनऊ में भारी वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा। गृह मंत्री की लखनऊ में मौजूदगी को देखते हुए कार्यक्रम स्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गये हैं। सभी रूटों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से कार्यक्रम स्थल पर मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन लगाए जाएंगे। सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण, यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के एडीजी मुथा अशोक जैन, अशोक कुमार सिंह समेत तमाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड ने 13 मार्च 2025 को आरक्षी नागरिक पुलिस के 60244 पदों का अंतिम परिणाम घोषित किया था। 48, 17, 441 ने ऑनलाइन आवेदन किया था। परीक्षा पास करने वालों में 12048 महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं। विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को 17 जून से जिले में एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद नौ माह का प्रशिक्षण शुरू होगा, जिसमें अभ्यर्थियों को फोरेंसिक साइंस, साइबर क्राइम, 39 कानूनों के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा।

जनसमस्याओं के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं : पटेल

जोधपुर (हिंस)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को जोधपुर सर्किट हाउस में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार लक्ष्य अंत्योदय के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। पटेल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा आमजन की समस्याओं एवं परिवेदनाओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। अधिकारी जनसेवा की भावना से कार्य करते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करें और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही या उदासीनता सुशासन की अवधारणा को कमजोर करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक अधिकारी अपने स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें और नागरिकों को राहत पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पटेल ने कहा कि अधिकारी निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें जिससे आमजन में शासन की छवि सुदृढ़ होती है और जनता का विश्वास प्रशासन पर बढ़ता है। अधिकारी केवल आदेशपालक न बनें, बल्कि शासन की नीति और मंशा के अनुरूप सक्रिय भागीदारी निभाएं। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ निरंतर संवाद रखें ताकि स्थानीय समस्याओं का त्वरित एवं युक्तियुक्त समाधान सुनिश्चित किया जाएं। पटेल ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक परिवाद को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली और कहा कि प्रत्येक शिकायत का संतोषजनक एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।

आप कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटें : धीरज टोकस

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में नवनियुक्ति प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस और राष्ट्रीय प्रवक्ता घनेन्द्र भारद्वाज प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने जयपुर पहुंचे। जहां प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल के नेतृत्व कार्यकर्ताओं ने टोकस का जोरदार स्वागत किया। बैठक की शुरुआत अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट के मौन के साथ की गई। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारी सम्मेलन की शुरुआत हुई। इस कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा और प्रदेश उपाध्यक्ष शहनाज हिंदुस्तानी ने किया। प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने के साथ साथ आप राजस्थान जनहित के मुद्दों को भी मजबूती से उठाएगी। साथ ही जल्द ही सभी जिलों में बैठक कर आगामी निकाय चुनाव की तैयारियां तेज की जाएगी। राष्ट्रीय प्रवक्ता घनेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी देश की आम जनता की एकमात्र उम्मीद बन चुकी है। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता को समाज के जरूरतमंद वर्ग के साथ खड़े रहकर सेवा का कार्य करने की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने बताया आम आदमी राजस्थान में बड़े बदलाव के लिए सीधे जनता से संवाद शुरू करेगी, जनता की आवाज बनकर सड़कों पर आंदोलन करेंगे और जनता के बीच से अच्छी छवि वाले लोगों को चुनाव लड़ाएंगे, राजस्थान की जनता बदलाव चाहती है।

सुशासन और राष्ट्र निर्माण को समर्पित मोदी सरकार : चौधरी

धौलपुर (हिंस)। भाजपा के संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत शनिवार को धौलपुर मेडिकल कॉलेज में प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रबुद्धजन गोष्ठी में बीते 11 सालों में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर मंथन किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत विकसित भारत के 2047 के विजन को लेकर काम कर रही है। मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को राहत मिली है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येद्र पाराशर ने कहा कि मोदी सरकार जनहित एवं जन कल्याणकारी सरकार है। मोदी जी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए प्रदेश एवं केन्द्र सरकार निरंतर प्रयासरत हैं। कार्यक्रम संयोजक राजवीर सिंह राजावत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद व्यापित किया।

नीट यूजी-2025 का रिजल्ट जारी, राजस्थान के महेश केसवानी ने किया टॉप

कोटा/नई दिल्ली (हिंस)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) नई दिल्ली की ओर से देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2025 का परीक्षा परिणाम शनिवार सुबह जारी कर दिया गया। परीक्षा में 22 लाख से अधिक स्टूडेंट्स बैठे थे। इनमें से 12.36 लाख स्टूडेंट्स क्वालिफाई हुए हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़ निवासी महेश केसवानी ने 720 में से 686 नंबर हासिल कर टॉप किया है। इंदौर के उत्कर्ष अवधिया की द्वितीय और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी की तृतीय रैंक आई है। टॉप 10 में केवल दिल्ली की अविका अग्रवाल को फीमेल कैटेगरी में पहला स्थान मिला है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट पारिजात मिश्रा ने बताया कि जनरल तथा ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के लिए नीट यूजी 2025 की क्वालीफाइंग कट ऑफ में 18 अंकों का गिरावट देखने को मिली है। गत वर्ष 2024 के मुकाबले 162 अंक से गिरकर 144 अंक हो गई है। वर्ष 2025 में ओबीसी, एससी, एसटी कैटेगरी की क्वालीफाइंग कट ऑफ में भी 14 अंकों की गिरावट देखने को मिल रही है। ओबीसी, एससी, एसटी कैटेगरी की क्वालीफाइंग कट ऑफ 127 अंकों से घटकर 113 अंक हो गई है। इसका सबसे बड़ा कारण इस वर्ष के प्रश्न पत्र का विगत 10 वर्षों में सबसे कठिन होना है। क्वालीफाइंग कट ऑफ का घटना भी कैंडिडेट्स के प्रश्न पत्र को पूर्णत: एटेम्प्ट नहीं कर पाना है। फिजिक्स का पेपर इस वर्ष किसी भी कैंडिडेट के सिलेक्शन एवं रैंक्स की निश्चितता में एक अहम भूमिका निर्धारित करता हुआ देखा जा रहा है ।

अंतर्राज्यीय गुजराती गैंग का सरगना गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपने ही परिवार की महिलाओं से चोरी की वारदात करवाने वाला अंतर्राज्यीय गुजराती गैंग के सरगना सहित चोरी का माल खरीदने वाले ज्वैलर्स को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी ने महिलाओं के जरिए जयपुर में अब तक 150 से अधिक सोने-चांदी के गहने लूटने की वारदात करवा चुका है। पुलिस टीम पिछले छह माह से लगातार इस गैंग की निगरानी कर रही थी। पुलिस की कड़ी मेहनत के बाद आरोपी को खोह नागोरियान इलाके से पकड़ा है। इस गिरोह की महिलाओं ने बसों और ऑटो रिक्शा सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सोने एवं चांदी के जेवरात चुराने के बाद आरोपी ज्वेलरी को लेकर फरार हो जाता था। इस गिरोह ने जयपुर शहर में अलग अलग इलाकों में अस्थाई ठिकाने बना रखे हैं। जो वारदात को अंजाम देने के बाद ठिकाना बदल लेते हैं और फिर नई वारदातों को अंजाम देते है। इस गैंग में शामिल चार महिलाओं को पूर्व में गिरफ्तार ही किया जा चुका है। पुलिस पूछताछ में आरोपी से और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपने ही परिवार की महिलाओं से चोरी की वारदात करवाने वाले अंतर्राज्यीय गुजराती गैंग के सरगना कांगिया अर्जुन विनोद भाई (28) निवासी बेरोतनाथ जिला भावनगर (गुजरात) हाल कानोता जयपुर सहित चोरी का माल खरीदने वाले ज्वैलर्स महावीर प्रसाद सोनी (44) निवासी सामोद जयपुर ग्रामीण हाल विधाधर नगर हाल दुकान आरती ज्वैलर्स विधाधर नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है।

अतिक्रमित भूमि के घेराबंदी के क्रम में विरोध प्रदर्शन करने वाले 10 नामजद और 30 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज काली पूजा मेला ग्राउंड वार्ड संख्या एक में दो दिन पूर्व अतिक्रमित जमीन को कब्जा मुक्त कराने के बाद घेराबंदी के क्रम में विरोध प्रदर्शन और हंगामा करने वालों के खिलाफ अनुमंडल प्रशासन के निर्देश पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सूर्यानंद सिंह ने केस दर्ज कराया है। सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, आगजनी, गाली गलौज करने के मामले में दर्ज कराए गए केस में 10 लोगों के खिलाफ नामजद और 30 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया है। जानकारी शनिवार को फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि मामले में कांड संख्या 287/25 बीएनएस की धारा 191(2), 132, 324(4), 352 के तहत दर्ज कराया गया है। केस के अनुसंधानकर्ता एसआई उपेंद्र शर्मा बनाए गए हैं। नामजद आरोपियों में फिरोज अंसारी पिता मो. रहमतुल्ला, रेखा देवी पति स्व. प्रदीप सदा, संजुला देवी पति उमेश ऋषिदेव उर्फ पगलू, गीता देवी पति प्रमोद बैतनैम, ज्योति देवी पति शंभु ऋषिदेव, बिच्छु देवी पति विजय बैतनैम, अशोक ऋषिदेव पिता ढेपन ऋषिदेव, ललिता देवी पति अंटू सरदार, संजीत ऋषिदेव पिता धुपलाल ऋषिदेव, बुर्धन बैतनैम पिता गौरी बैतनेम एवं अन्य 25 से 30 की संख्या में अज्ञात लोगों पर सरकारी संपत्ति को जानबुझकर नुकसान पहुंचाने, सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने, गाली गलौज करने, आगजनी एवं रोड जाम कर आमजनो के आवागमन को बाधित करने का आरोप लगाया गया है।

पंजाब में कोरोना की गाइडलाइन जारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में कोरोना के मामले सामने आने के बाद सरकार ने शनिवार को राज्य में कोरोना गाइडलाइन जारी कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में एक सप्ताह पहले जहां केवल 12 एक्टिव केस थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 35 से ज्यादा हो चुकी है। राज्य में सर्वाधिक मामले लुधियाना में हैं। यहां 23 नए मामले आ चुके हैं। लुधियाना से दो कोविड मरीजों की मौत हो चुकी है। शनिवार को जारी किए गए निर्देशानुसार वृद्ध, गर्भवती महिलाओं, बीमार और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को भीड़भाड़ वाले और बाजारी स्थानों पर मास्क पहनना जरूरी है। स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी मास्क पहनने और कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की सलाह दी गई है। खांसते या छींकते समय अपने मुंह और नाक को रूमाल, टिश्यू पेपर से ढकें। गाइडलाइन के अनुसार अगर आपको बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई हो तो मास्क पहनें और तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

कानपुर : सीएमओ का डीएम पर अभद्र टिप्पणी करने का ऑडियो वायरल

कानपुर (हिंस)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी का जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को अपशब्द बोलते हुए एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऑडियो में सीएमओ नेमी डीएम पर अभद्र टिप्पणी करते हुए उन्हें संबोधित कर रहे हैं। इससे पहले सीएमओ पर डॉक्टरों के तबादले, कर्मचारियों से दुर्व्यवहार और शासनादेशों की अनदेखी करने के आरोप लग चुके हैं। कई सीनियर डॉक्टरों ने डीएम को सीएमओ के खिलाफ लिखित रूप से शिकायत भी की है, जिसके आधार पर डीएम ने शासन को रिपोर्ट भी सौंपी है। सोशल मीडिया पर शनिवार को जो ऑडियो वायरल हुआ है, उसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी किसी से बोलते हुए सुनाई दे रहे हैं कि प्रदेश के 75 जिलों में यही एक ऐसा आदमी है, जो ढोल बजा रहा है। मैंने आज तक ऐसा आदमी नहीं देखा जो किसी बात को बढ़ा-चढ़ाकर बोले। क्योंकि इससे पहले यह मीडिया में रहा है। मीडिया वालों की आदत होती है, जरा सी बात को बढ़ा-चढ़ा कर बोलना। 20 मिनट की मीटिंग में दो-दो घंटे लगा देता है। दुनिया भर की कहानी और किस्से सुनाता है, यही कारण है कि इस आदमी से कई महिलाएं भी चिढ़ने लगीं हैं। अंत में इस ऑडियो में सीएमओ की ओर से अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। वीडियो के वायरल होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भी अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा है। वायरल ऑडियो में मेरी आवाज नहीं है। उधर, डीएम का कहना है कि जिले में सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति का बेहद चिंताजनक है। कई जगह पर डॉक्टरों की फर्जी उपस्थिति दर्ज की जाती है। रिकॉर्ड पर हेरा फेरी भी की गई हैं, जिसका मैंने कई मौकों पर पहुंचकर अवलोकन भी किया है। कई डॉक्टरों की शिकायत पर मेरे द्वारा शासन को सीएमओ के खिलाफ रिपोर्ट भी भेजी गई है।

सड़क हादसे में बीएसएफ जवान सहित तीन की मौत, एक गंभीर

वाराणसी (हिंस)। जिले के मिर्जामुराद थाना क्षेत्र अंतर्गत कछवा रोड के निकट स्थित ओवरब्रिज पर शनिवार को एक सड़क हादसे में कार सवार बीएसएफ जवान सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। प्रयागराज के सरायइनायत थाना क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी बीएसएफ के जवान अमन यादव, झूंसी के फैजल, अरबाज व विनय झूंसी से कार में सवार होकर वाराणसी आ रहे थे। तेज रफ्तार कार मिर्जामुराद कछवा रोड के पास स्थित ओवरब्रिज के समीप जैसे ही पहुंची अचानक ओवरटेक करने के प्रयास में पीछे से आ रहे ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलटते हुए सर्विस रोड पर जा गिरी। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

योगी सरकार ने परीक्षा सकुशल संपन्न कराने को तैयार किए अभेद्य चक्रव्यूह

लखनऊ (हिंस)। आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती-2023 परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी और सकुशल संपन्न कराने के लिए राज्य सरकार अभेद्य चक्रव्यूह ने नकल माफिया और साल्वर गैंग के मंसूबों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की अहम भूमिका रही थी। इसके जरिये परीक्षा में किसी भी तरह की धांधली को रोकने में लिए पुख्ता इंतजाम किए गये थे। इसके अलावा न केवल प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को मजबूत किया गया था, बल्कि उनकी गोपनीयता भी सुनिश्चित की गई थी। सरकारी प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी की सीधी मॉनीटरिंग से देश की सबसे बड़ी परीक्षा में शुमार पुलिस भर्ती परीक्षा पूरे देश में एक मॉडल बन गयी। अब देश के दूसरे राज्य भी यूपी के इसे अपना रहे हैं। पुलिस सिपाही भर्ती (60, 244) की परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए आधुनिक तकनीक का भरपूर प्रयोग किया था। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये 15 हजार प्रश्नों का एक विशाल प्रश्न बैंक तैयार किया, जिसे परीक्षा के दौरान रैंडमाइजेशन किया गया था। प्रश्नपत्रों को गोपनीय चिन्हों से सुरक्षित किया गया और मल्टी-लेयर पैकेजिंग की गई थी, ताकि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न हो सके। योगी सरकार के मजबूत सुरक्षा उपायों ने नकल माफियाओं के मंसूबों को विफल कर दिया और पुलिस भर्ती परीक्षा को एक सफल और निष्पक्ष आयोजन में तब्दील कर दिया। वहीं, प्रश्नपत्रों में प्रश्नों को तीन कैटेगरी में बांटा गया था। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया था। इसके तहत सभी परीक्षा केंद्रों पर एआई सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए स्ट्रांग रूम, कोषागार की व्यवस्था की गई थी, जिसे सीसीटीवी और जीपीएस से लैस किया गया था। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी अभ्यर्थियों का आधार सत्यापन कराया गया था। जिन अभ्यर्थी का ऑनलाइन आधार सत्यापित नहीं हो सका, उनका केंद्र पर बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया गया था। बोर्ड ने परीक्षा के संचालन के दौरान कड़ी सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) जारी की थी। परीक्षा के बाद सभी दस्तावेजों का निस्तारण भी इसी एसओपी के अनुसार किया गया था। सरकार ने परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस अधिकारियों की फिजिकल ट्रेनिंग करायी थी। इस दौरान उन्हे सोशल मीडिया को लेकर किस तरह से अलर्ट रहना है, इसकी बारीकी से जानकारी दी गई थी। इसके अलावा नकल माफिया और सॉल्वर गैंग के 1, 541 लोगों की सूची तैयार की गई और परीक्षा शुरू होने से पहले इन पर नकेल कसनी शुरू की गई थी।

प्रभारी मंत्री ने बाढ़ से पूर्व तैयारी को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर की समीक्षा

अररिया (हिंस)। समाहरणालय स्थित परमान सभागार में संभावित बाढ़ को लेकर बिहार सरकार के उद्योग विभाग के मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री नीतीश मिश्रा ने बैठक आयोजित कर बाढ़ से पूर्व की तैयारी का समीक्षा की। बैठक में आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल, डीएम अनिल कुमार, एसपी अंजनी कुमार, विधायक विद्यासागर उर्फ मंचन केशरी, जयप्रकाश यादव सहित संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में मुख्य रूप से संभावित बाढ़ को लेकर खाद्य पदार्थ आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निविदा के माध्यम से आपूर्तिकर्ताओं का चयन, पॉलिथीन शीट्स की उपलब्धता, जिला अंतर्गत उपलब्ध नाव, मोटरबोट, बाढ़ राहत शिविरों, सामुदायिक रसोई, मानव दवा, मोबाइल मेडिकल टीम एवं मेडिकल कैंप की उपलब्धता, बाढ़ प्रभावित परिवारों की सूची का अद्यतनीकरण, तटबंध कटाव-निरोधक कार्यों की प्रगति, तटबंध की सुरक्षा हेतु प्रत्येक 1 किलोमीटर पर प्रतिनियुक्ति अभियंताओं की सूची, संवेदनशील/अतिसंवेदनशील स्थलों सूची, पशु चारा की व्यवस्था, पशु आश्रय स्थलों की सूची, जिला अंतर्गत पुल, पुलिया, कल्वर्ट, वेंट इत्यादि के अद्यतन स्थिति सहित संभावित सुखार के मध्य नजर की जाने वाली व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जिले में 28390 पॉलिथीन शीट्स उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त नोडल जिला पूर्णिया से 20 हजार पॉलिथीन शीट्स की मांग करने की जानकारी दी। जिले में परिचालन योग्य 240 नाव उपलब्ध हैं। इसके अलावा एसडीआरएफ के पास 6 मोटरबोट एवं 6 आउट बोर्ड मोटर उपलब्ध होने की बात कही गई। साथ ही जिला आपदा भण्डार में भी 4 मोटरबोट उपलब्ध है।जिले में 365 बाढ़ राहत शिवरों को चिन्हित किया गया है। इसी प्रकार 305 सामुदायिक रसोई केदो को भी चिन्हित किया गया है।

ईरान–इजरायल जंग से भारत सहित दुनियाभर के बाजार में हड़कंप

नई दिल्ली

इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर 150 मिसाइलें दागी, जिससे मिडिल ईस्ट में तनाव और भयावह दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट आई और तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिला।

अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट

भारत समेत दुनिया भर के बाजार में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिकी शेयर बाजार इंडेक्स एसएंडपी 500 में 1.1 फीसदी की गिरावट आई, जिससे एक हफ्ते की तेजी बंद हो गई। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स में 7.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो मार्च 2022 के बाद सबसे तेज उछाल है। भारत में भी शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में करीब 0.7 फीसदी की गिरावट आई, निफ्टी शुरुआत में करीब 1 फीसदी से ज्यादा टूट गया था। तेल शेयरों में गिरावट हुई, जबकि ओएनजीसी और आइल इंडिया ने कच्चे तेल की तेजी से लाभ कमाया।

अडानी पोर्ट में 3 फीसदी की गिरावट हुई, जिसका कारण इजराइल के हाइफा पोर्ट से जुड़े होने के कारण हुआ। व्यापक बाजार दबाव में था और विदेशी निवेशक भारतीय इक्विटी में शुद्ध विक्रेताएं हैं।

सोमवार को बाजार में उथल-पुथल दिखाई दे सकती है, तेल की कीमतों में और वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो सकती है अध्यापक बाधा।

तकनीकी विश्लेषकों के अनुसार निफ्टी के 24,500 एक महत्वपूर्ण समर्थन स्तर है जिसका उलंघन और नुकसान ला सकता है। अगर ये युद्ध जारी रहता है तो बाजार में और उथल-पुथल आ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

स्पाइसजेट का मुनाफा तीन गुना होकर 325 करोड़ पहुंचा

मुंबई। किफायती एयरलाइंस स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष की मार्च 2025 तिमाही में उसका कर पश्चात मुनाफा लगभग तीन गुना होकर 324.87 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एयरलाइन ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका मुनाफा 119 करोड़ रुपये था। स्पाइसजेट ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 1,446.37 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 की चौथी तिमाही में 1,719.3 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में स्पाइसजेट का घाटा सालाना आधार पर 409 करोड़ रुपये से बढ़कर 580.74 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में परिचालन राजस्व 25 प्रतिशत घटकर 5,284 करोड़ रुपये रह गया ।

भारत में तेज रफ्तार कारें बनी अब हकीकत

नई दिल्ली। भारत में अब तेज रफ्तार कारें अब सपना नहीं बल्कि हकीकत है। देश की सबसे तेज कारें अब इलेक्ट्रिक हैं और वो भी मेड-इन-इंडिया। टाटा हैरियर ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी 9ई और महिंद्रा बीई 6 जैसी मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी अब सिर्फ 6.3 से 6.7 सेकेंड में 100 की रफ्तार पकड़ लेती हैं। इनकी कीमत 18.90 लाख से 30.50 लाख रुपये के बीच है, जो आम खरीदारों की पहुंच में है। टाटा हैरियर ईवी सबसे तेज टाटा कार है जो 6.3 सेकंड में 100 की रफ्तार पकड़ सकती है। इसमें 65 और 75 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प, 627 किमी तक की रेंज और ड्यूल मोटर ऑल-व्हील ड्राइव जैसी खूबियां हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 9ई 6.7 सेकेंड में 100 की स्पीड पकड़ती है और इसकी रेंज 656 किमी तक जाती है। इसमें इंग्लो प्लेटफॉर्म, फास्ट चार्जिंग और कूपे जैसा स्टाइल है। वहीं महिंद्रा ब्ध 6 भी 6.7 सेकेंड में 0-100 की स्पीड तक पहुंचती है, इसका डिजाइन बोल्ड है और 683 किमी तक की रेंज देती है। अब ईवी सिर्फ पैसे और पर्यावरण की बात नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और थ्रिल का भी दूसरा नाम बन चुकी हैं। इन मेड-इन-इंडिया कारों ने दिखा दिया है कि अब बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी कंपनियों की रफ्तार को टक्कर देने के लिए बैटरी से चलने वाली भारतीय कारें भी तैयार हैं। बता दें कि कुछ साल पहले तक 7 सेकेंड से कम समय में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार हासिल करना केवल महंगी लग्जरी सेडान या हाई-एंड एसयूवी का सपना होता था। लेकिन अब यह सपना भारत में बना हकीकत है।

भारतीय बाजार में टाटा की एसयूवी हैरियर ईवी लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी को लॉन्च कर दिया है। टाटा मोटर्स ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 21.49 लाख रुपये तय की है। टाटा हैरियर ईवी को लेकर ग्राहकों में लंबे समय से उत्सुकता बनी हुई थी, और अब इसके लॉन्च के साथ कंपनी ने एक बार फिर भारतीय ईवी मार्केट में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज की है। इस इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग 2 जुलाई से शुरू होगी। यह एसयूवी एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर से अधिक की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम है, जो इसे लंबी यात्राओं के लिए बेहद उपयुक्त बनाता है। इस ईवी में कंपनी ने कई आधुनिक और यूनीक फीचर्स जोड़े हैं। इसमें दिया गया नया 540-डिग्री कैमरा सिस्टम पारंपरिक 360-डिग्री कैमरे से अलग है, क्योंकि यह ट्रांसपेरेंट मोड में सड़क के नीचे की स्थिति भी दिखा सकता है, जिससे खराब रास्तों और गड्ढों में चलाना आसान होता है। टाटा हैरियर ईवी में छह मल्टी-टेरेन ड्राइविंग मोड दिए गए हैं जो विभिन्न परिस्थितियों में बेहतर ट्रैक्शन और कंट्रोल प्रदान करते हैं। इस गाड़ी में 14.5 इंच का नियो क्यूएलईडी इंफोटेनमेंट सिस्टम लगा है, जो टाटा की किसी भी कार में अब तक का सबसे बड़ा डिस्प्ले है। इसके अलावा डिजिटल रियर व्यू मिरर की सुविधा भी दी गई है, जो कैमरे की मदद से रियर व्यू दिखाता है और डैशकैम के तौर पर काम करता है। हैरियर ईवी इन सभी खूबियों के साथ एक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी के रूप में सामने आई है।

एसबीआई ने लोन दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की, नई दरें 15 जून से प्रभावी

एसबीआई का होम लोन 0.50 फीसदी हुआ सस्ता, अब 7.50 फीसदी पर मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत दर रेपो रेट में संशोधन के करने के बाद कई बैंकों ने अपने लेंडिंग रेट में कटौती की है। इसी कड़ी में देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी प्रमुख लोन दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की है। नई दरें 15 जून से लागू होंगी। स्टेट बैंक ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि लोन की ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद एसबीआई से सभी तरह के लोन लेना अब सस्ता हो जाएगा। अब एसबीआई की होम लोन की ब्याज दर सालाना आधार 7.50 फीसदी से शुरू होंगी। ये नई दरें 15 जून, 2025 से प्रभावी होंगी।

इस कटौती के बाद एसबीआई होम लोन की ब्याज दर उधारकर्ता के सिबिल स्कोर के आधार पर 7.50 फीसदी से 8.45 फीसदी तक होगी। एसबीआई होम लोन मैक्सगेन ओडी ब्याज दर 7.75 फीसदी से 8.70 फीसदी के बीच है। इसके अलावा टॉप अप होम लोन के लिए ब्याज दर 8 फीसदी से 10.50 फीसदी के बीच है। इससे पहले यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.50 फीसदी तक घटाई है। स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का ऋणदाता बैंक है। रेपो दर में कटौती से विभिन्न ऋण-लिंक्ड बेंचमार्क प्रभावित होते हैं, जिनमें बाहरी बेंचमार्क दर (ईबीआर), बाहरी बेंचमार्क उधार दर (ईबीएलआर) और रेपो लिंक्ड उधार दर (आरएलएलआर) शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि रेपो रेट में कटौती करने से बैंकों को केंद्रीय बैंक से कम ब्याज दरों पर लोन मिलता है, जिसके चलते बैंक ग्राहकों को होम लोन सस्ती दरों पर देते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती की है, जो घटकर अब 5.50 फीसदी पर आ गई है। आरबीआई के रेपो रेट में कटौती के बाद बैंकों ने भी अपने लोन दरों में कटौती शुरू कर दी है।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की विदेशी मुद्रा कमाई में भारत हिस्सा ज्यादा

मुंबई (ईएमएस)। भारत में मेक इन इंडिया नीति के प्रयासों ने देश के स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को विदेशी बाजारों तक पहुंचाने में मदद की है। चीन की बड़ी कंपनियों के साथ मिलकर निर्मित उत्पादों के साथ भारतीय कंपनियां अब विश्वभर में अपनी पहुंच बढ़ा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार ओप्पो और रियलमी मोबाइल इंडिया ने विदेशी मुद्रा में कहीं-कहीं उच्च आंकड़े प्राप्त किए हैं। इन कंपनियों के साथ ही भारतीय मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बना रही हैं। सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत कुछ कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिल रही है। ओप्पो और रियलमी मोबाइल इंडिया ने विदेशी मुद्रा में कहीं-कहीं उच्च आंकड़े प्राप्त किए चीन पर लगे टैरिफ और तनावों ने चीनी कंपनियों को भारत की ओर मोड़ने पर मजबूर किया है, जिससे भारत वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में एक महत्वपूर्ण निर्यात केंद्र बन सकता है। इस उत्थान से मानव समुदाय को नये उत्पादों और तकनीकी उन्नति में लाभ होगा, जिससे भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है।

भारत आईआरईएल के साथ 13 साल पुराना निर्यात समझौता रोकेगा

नई दिल्ली

भारत सरकार ने अपनी रेयर अर्थ मेटल्स को घरेलू जरूरतों के लिए बचाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इसके तहत, सरकार ने स्टेट-रन कंपनी इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) से जापान के साथ 13 साल पुराने निर्यात समझौते को रोकने के लिए कहा है। जापान का यह इस्तेमाल होता है इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर में। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में आईआरईएल को रेयर अर्थ, खासकर नियोडिमियम, का निर्यात रोकने को कहा है।

भारत की रेयर अर्थ प्रोसेसिंग की क्षमता में वृद्धि होगी

इससे भारत की रेयर अर्थ प्रोसेसिंग की क्षमता में वृद्धि होगी। यह भी उजागर करना जरूरी है कि भारत की जरूरतें हों तो उन्हें अपने अंदर ही पूरा किया जा सके। आईआरईएल की ओर से यह कदम भारत की स्वायत्तता और उसकी मजबूती का प्रतीक है। आने वाले समय में हमें देखने को मिलेगा कि कैसे यह फैसला भारतीय रेयर अर्थ उद्योग को एक नई दिशा देगा। बता दें कि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रेयर अर्थ मेटल्स रिजर्व है, जो 6.9 मिलियन मीट्रिक टन है, लेकिन अभी मैग्नेट प्रोडक्शन की कोई घरेलू व्यवस्था नहीं है। मार्च 2025 तक भारत ने 53,748 मीट्रिक टन रेयर अर्थ मैग्नेट आयात किए, जो ज्यादातर चीन से आए। आईआरईएल ओडिशा में एक एक्सट्रैक्शन प्लांट और केरल में एक रिफाइनिंग यूनिट चलाता है।

क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय की आयकर विभाग कर रहा जांच

मुंबई। अगर आपने क्रिप्टोकरेंसी से कमाई की है और उसे आयकर रिटर्न में नहीं दिखाया है, तो आपको अब सतर्क रहने की आवश्यकता है। आयकर विभाग ने ऐसे हजारों लोगों को ई-मेल भेजकर उनकी क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय की जानकारी देने के लिए साधारित किया है। माना जा रहा है कि कुछ लोग बिना हिसाब की आय को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं और टैक्स चोरी या मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका भी है। आयकर विभाग ने इन लोगों से उनके आय से संबंधित जानकारी देने के लिए योग्यता की मांग की है। यह कार्रवाई क्रिप्टो एक्सचेंजों से मिले टीडीएस डेटा और करदाताओं द्वारा दाखिल आईटीआर के बीच मिलान के आधार पर की जा रही है।

पंजाब के दूध, घी और पनीर के 1162 में से 415 सैंपलों में मिलावट : रिपोर्ट

पंजाब में भोजन सुरक्षा विभाग ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में बिकने वाले दूध, पनीर, और घी में सब कुछ ठीक नहीं है। विभाग ने लिए गए 1162 सैंपलों से पता चला कि 415 सैंपलों में मिलावट थी। रिपोर्ट के अनुसार इन नमूनों में प्राकृतिक वसा की बजाय रिफाइंड ऑयल, वैजिटेबिल ऑयल, पनीर में एसिड, सोया की अत्यधिक मौजूदगी, तेल, डिटर्जेंट, और यूरिया मिला हुआ था। कुछ नमूनों में ग्लूकोज को भी मिलाया गया था। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट ने खुलासा किया कि 26.71 प्रतिशत दूध, 21.62 प्रतिशत घी, और 48.02 प्रतिशत पनीर के सैंपल मानवीय उपयोग के लिए असुरक्षित पाए गए हैं। आईसक्रीम और खोया में भी गड़बड़ी पाई गई। आईसक्रीम और खोया में भी गड़बड़ी पाई गई आंकड़ों के मुताबिक इन असुरक्षित सैंपलों का सेवन करने से व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

इजरायल–ईरान तनाव : भारत सरकार सतर्क अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा असर नहीं

मुंबई

इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ते जा रहे हैं और इसके विभागीय असर को लेकर भारत सरकार सतर्क है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था पर इस संघर्ष का बड़ा प्रभाव अभी तक नहीं पड़ा है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की संभावना है जो भारतीय शेयर बाजार, रुपए की कमजोरी और समुद्री मालवाहन खर्चों में वृद्धि को प्रेरित कर सकती है। वित्त मंत्रालय और अन्य संबंधित संस्थाएं बाजार की स्थिति पर नजर रख रही हैं और अब भी विश्वास है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और जटिलताओं से निपटने में सक्षम है। यदि कोई असर पड़ता है, तो यह अस्थायी होगा और दीर्घकालिक

प्रभाव की संभावना कम है। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो वैश्विक बाजारों की चल रही गिरावट का परिणाम था। निवेशकों में भय का माहौल बनने से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट आई। इजरायल द्वारा ईरान पर हमले की खबर से कच्चे तेल की कीमतों में 12 फीसदी की तेजी आई, लेकिन बाद में पता चला कि हमला परमाणु प्रतिष्ठानों पर हुआ था।

भारत जापान के बीच दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आपूर्ति पर हालात गंभीर

आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन उपलब्ध कराने की जरुरत

नई दिल्ली

भारत और जापान के बीच 13 साल पुराने समझौते के मध्यम से परिष्कृत दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आपूर्ति पर बड़े परिवर्तन की संभावना खड़ी हो गई है। चीन से मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा होने से गृहित स्टॉक और निर्यात को लेकर मामले में तनाव बढ़ रहा है। कारोबारियों का कहना है कि अब वह यह दावा करे हैं कि जापान के ऊपर भारत को सीमित करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि, वे विश्वस्त भारत-जापान समझौते को ध्यान में रखकर यदि दुर्लभ खनिज की बेहतर आपूर्ति के लिए उचित समझौते की मांग कर रहे हैं। वाहन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संकटकाल में हमें आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन उपलब्ध कराने की जरुरत है। वे कहते हैं

कि भारत के साथ तकनीकी सहयोग करके मैग्नेट उत्पादन को बढ़ावा देना आवश्यक है। सरकारी स्रोतों के अनुसार सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता सेध्यान दे रही है ।

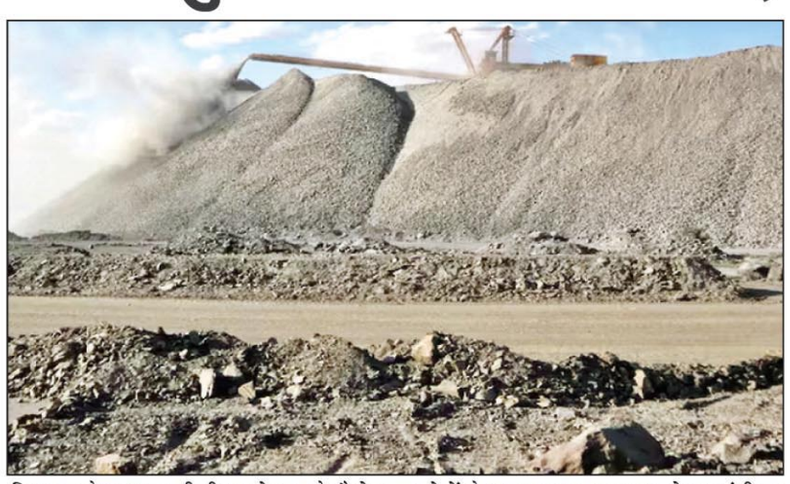

बजाज फायनेंस ने की 1 शेयर पर 4 शेयर बोनस देने की घोषणा, रिकॉर्ड डेट 16 जून तय

नई दिल्ली। सोमवार को बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिसमें कंपनी एक बड़ी खुशखबरी भी लाई है। बजाज फाइनेंस ने एक हिस्सों में अपने शेयरों का बंटवारा किया है और इसके साथ ही 4 शेयर बोनस भी देने की घोषणा की है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट को 16 जून तय किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब बजाज फाइनेंस ने एक्स-बोनस ट्रेड की है। कंपनी ने पहले भी 2016 में ऐसा किया था। एक्स-बोनस ट्रेड के माध्यम से निवेशकों को एक शेयर पर 4 शेयर बोनस मिलेगा। बजाज फाइनेंस के शेयरों की कीमतों में पिछले वर्ष में 28 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। कंपनी का 52 हफ्ते का हाई 9785.90 रुपये और निम्नतम स्तर 6426.05 रुपये है।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 27वें संस्करण की रौनक बढ़ाएंगे सांसद मनोज तिवारी, 15 जून को दिल्ली में होगा आयोजन

नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद और प्रसिद्ध अभिनेता-गायक मनोज तिवारी राजधानी दिल्ली में आयोजित होने जा रहे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 27वें संस्करण की शान बढ़ाएंगे। यह आयोजन 15 जून को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा, जो फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) के सहयोग से आयोजित हो रहा है।

इस कार्यक्रम में अन्य प्रमुख हस्तियों में पीईएफआई अध्यक्ष डॉ. एके बंसल (द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता और पूर्व भारतीय हॉकी कोच), 1992 एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोडारा, पीईएफआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पीयूष जैन, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज़ के प्रोफेसर व निदेशक (खेल) डॉ. त्रिभुवन राम नारायण और सोनिया विहार वॉटर स्पोर्ट्स क्लब सोसाइटी दिल्ली के स्विमिंग कोच मनजीत शेखावत शामिल होंगे। इस साइक्लिंग ड्राइव का आयोजन देशभर के 500 से अधिक स्थानों पर एक साथ किया जाएगा, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियां, साई क्षेत्रीय केंद्र, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, साई ट्रेनिंग सेंटर्स, खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और खेलो इंडिया सेंटर्स भी शामिल हैं। इस मुहिम में 15,000 से अधिक नागरिकों के भाग लेने की संभावना है। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान की शुरुआत दिसंबर 2024 में युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा की गई थी। तब से यह अभियान देशभर में 10,000 से अधिक स्थानों पर आयोजित हो चुका है, जिसमें 3.5 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। इससे पहले आयोजित कार्यक्रमों में भारतीय सेना के जवान, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, भारतीय रेल और लवलीना बोरगोहेन, संग्राम सिंह, नीतू घंघास, सावित्री बूरा, पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता नितेश कुमार, मनीषा रामदास, रुबिना फ्रांसिस, सिमरन शर्मा जैसी खेल हस्तियां और राहुल बोस, अमित सियाल, शारवरी वाघ, मधुरिमा तुली और गुल पनाग जैसी फिल्मी हस्तियां भी भाग ले चुकी हैं। यह पहल युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, माय बाइक्स और माय भारत के सहयोग से आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य भारत में फिटनेस को बढ़ावा देना है।

न्यूज ब्रीफ

एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप : भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने वॉल्ट में जीता कांस्य

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के जेचियोन जिमनैजियम में चल रही एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप 2025 में भारत की प्रणति नायक ने वॉल्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। शनिवार को हुए फाइनल में 30 वर्षीय प्रणति ने 13.466 स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में चीन की यिहान झांग ने स्वर्ण और वियतनाम की गुयेन थी क्विन्ह न्हु ने रजत पदक जीता। वहीं भारत की ही एक और प्रतिभागी प्रतिष्ठा सामंता 13.016 स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं। यह कांस्य पदक प्रणति नायक के एशियाई चैंपियनशिप करियर का तीसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले 2019 (उलानबातार) और 2022 (दोहा) में भी वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही उन्होंने दीपा करमाकर के दो पदकों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत की ओर से इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली जिम्नास्ट बन गई हैं। इस साल मार्च में भी प्रणति ने तुर्की के अंताल्या में हुए आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक अप्परैटस वर्ल्ड कप में वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उनका यह निरंतर प्रदर्शन भारतीय जिम्नास्टिक के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3-2 से हराया, अभिषेक का डबल गोल गया बेकार

एंटवर्प। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपियन चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एक और करारी हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में कमजोर पड़ती डिफेंस और पेनल्टी कॉर्नर पर मिली गोलों की मार ने भारत को 3-2 से हार का स्वाद चखाया। 2-0 की बढ़त गंवाकर भारत को मिली लगातार पांचवीं हार टीम इंडिया के लिए अभिषेक (8', 35') ने दो शानदार गोल किए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एफराम्स (42'), जोएल रिंटाला (56') और टॉम क्रेग (60') ने गोल कर अपनी टीम को शानदार वापसी दिलाई। भारत की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। 8वें मिनट में मनप्रीत सिंह (जो अपने 399वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में खेल रहे थे) के मिडफील्ड से मिले शानदार पास को अभिषेक ने गोल में तब्दील कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दो मिनट बाद ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी कॉर्नर से वापसी की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार सेव कर भारत की बढ़त बरकरार रखी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी लय बनाए रखी और ऑस्ट्रेलियाई हमलों को नाकाम किया। दूसरे क्वार्टर में भारत की रणनीति सतर्कता की रही। मनदीप सिंह द्वारा मनप्रीत को दिए गए तेज पास से भारत गोल करने के करीब पहुंचा लेकिन गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन इसी बीच 35वें मिनट में सुखजीत सिंह के शानदार असिस्ट पर अभिषेक ने एक और गोल कर भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 42वें मिनट में नाथन एफराम्स के गोल से खाता खोला। इसके बाद अंतिम क्वार्टर भारत के लिए चुनौतीभरा साबित हुआ। सूरज करकेरा ने कई बेहतरीन बचाव किए, लेकिन 56वें मिनट में जोएल रिंटाला ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

हार से गुस्साएं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन ने फैंस से तू-तड़ाक शुरु की

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में हार की कगार पर है। इंग्लैंड के लॉर्ड्स में एडन मारक्रम की यादगार सेंचुरी और कप्तान तेंबा बवूमा की शानदार पारी ने कंगारू गेंदबाजों की दम निकल दी है। लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीदों पर पानी फिरता देखकर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बुरी तरह से बौखला हुए हैं। 3 दिन का खेल खत्म होने के बाद जब फैंस ने कंगारू टीम के खिलाड़ियों की हूटिंग करनी शुरु की हैं, तब मार्नस लाबुशेन फैंस से उलझ गए और बुरा बर्ताव किया। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में साउथ अफ्रीका की टीम इतिहास रचने के कगार पर है। टॉस जीतकर कप्तान बवूमा ने पहले गेंदबाज चुनी और पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर ढ़ेर कर दिया। हालांकि साउथ अफ्रीका को 138 रन पर ऑल आउट कर कंगारू टीम ने जोरदार वापसी लेकिन दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी खस्ता हाल दिखी। महज 207 रन पर पूरी कंगारु टीम निपट गई और साउथ अफ्रीका को 282 रन का लक्ष्य दिया।

कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर 29 जून को होगा फैसला : कल्याण चौबे

नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को कहा है कि भारत की पुरुष फुटबॉल टीम के कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर निर्णय 29 जून को होने वाली कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया जाएगा।

उन्होंने कहा, वर्ल्ड मनोलो मार्केज़ एक अनुभवी और भारतीय फुटबॉल को समझने वाले कोच हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मुझे कई कॉल्स आ रही हैं कि क्या वह कोच बने रहेंगे या नहीं। इस पर अंतिम निर्णय कार्यकारिणी की बैठक में लिया जाएगा। हालांकि, यह सोचना अवास्तविक है कि बिना गोल किए हम जीत सकते हैं।वर्ल्ड मार्केज़ ने इगोर स्टिमाक की जगह भारतीय टीम के कोच का पद संभाला था, लेकिन अब तक वह एक भी प्रतिस्पर्धात्मक मैच जीतने में नाकाम रहे हैं। एएफसी एशियन कप क्वालिफायर में भारत को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 0-1 से हार और बांग्लादेश से गोलरहित ड्रॉ ने आलोचनाओं को जन्म दिया है और कोच को हटाने की मांग तेज हो गई है।

ओसीआई खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल करने की कवायद - कल्याण चौबे ने बताया कि एआईएफएफ उन भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों यानी ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) को टीम में शामिल करने के लिए कई सरकारी विभागों के संपर्क में है।

उन्होंने कहा, वर्ल्ड हमने इस विषय पर सरकार के कई मंत्रालयों से संवाद शुरू किया है और शुरुआती प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है। हम 33 ऐसे खिलाड़ियों से संपर्क में हैं जिनमें से कुछ के पास ओसीआई कार्ड है और कुछ आवेदन की प्रक्रिया में हैं। हम उन्हें इस प्रक्रिया में सहायता भी दे रहे हैं।

आईएसएल में भारतीय स्ट्राइकरों की कमी चिंता का विषय - भारतीय सुपर लीग (आईएसएल) में भारतीय स्ट्राइकरों की भागीदारी कम होने को लेकर भी सवाल उठे।

कल्याण चौबे ने कहा, वर्ल्ड विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में कटौती पर एआईएफएफ अकेले निर्णय नहीं ले सकता। सभी हितधारकों को मिलकर निर्णय लेना होगा।

एआईएफएफ द्वारा की गई एक प्रस्तुति के अनुसार, भारत के तीन हालिया कोचों — स्टीफन कॉन्स्टैन्टाइन, इगोर स्टिमाक, और मनोलो मार्केज़ — के कार्यकाल में टीम के प्रदर्शन की तुलना की गई:

कॉन्स्टैन्टाइन: प्रति मैच गोल - 1.64 7 जीत प्रतिशत - 57प्रतिशत

स्टिमाक: प्रति मैच गोल - 1.01 7 जीत प्रतिशत - 35प्रतिशत

मार्केज़: प्रति मैच गोल - 0.75 7 जीत प्रतिशत - 13प्रतिशत

इसके अलावा यह भी बताया गया कि भारतीय स्ट्राइकरों को उनके क्लबों में नियमित रूप से सेंटर फॉरवर्ड की भूमिका नहीं मिलती, जिससे राष्ट्रीय टीम में उन्हें नए पोजीशन में खेलने में मुश्किल होती है।

चौबे ने कहा, वर्ल्ड हमने पिछले 10 सालों में अच्छे स्ट्राइकर तैयार नहीं किए हैं। सुनील छेत्री का समर्पण और फिटनेस काबिले-तारीफ है, लेकिन अब नए फॉरवर्ड्स की जरूरत है।

2031 एएफसी एशियन कप की मेजबानी पर भारत की नजर - कल्याण चौबे ने बताया कि भारत ने 2031 एएफसी एशियन कप की मेजबानी के लिए 'इच्छा पत्र' जमा कर दिया है। इसके अलावा भारत भविष्य में एएफसी बीच सॉकर और फूटसाल टूर्नामेंट की मेजबानी की योजना भी बना रहा है। उन्होंने कहा, वर्ल्ड हम नीचे से ऊपर की ओर काम करने की रणनीति पर चल रहे हैं। 2031 एशियन कप की मेजबानी के साथ हम भविष्य में किसी फीफा टूर्नामेंट की मेजबानी के बारे में भी सोच सकते हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कानूनी मामलों और अदालती कार्यवाहियों में एआईएफएफ का काफी समय और पैसा खर्च हो रहा है, जिसे फुटबॉल के विकास में लगाया जाना चाहिए।

सगाई के बाद पहली बार ससुराल पहुंचे रिंकू सिंह...शर्म से लाल हो गई प्रिया

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज की सगाई चर्चा के केंद्र में है। हर ओर सिर्फ इस खूबसूरत जोड़ी को लेकर ही बातें की जा रही है। सगाई के बाद पहली बार रिंकू सिंह के ससुराल पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। सास दरवाजे पर उनके लिए फूलों से भरा थाल लेकर आई। वहीं पत्नी प्रिया शर्म से लाल हो गई। सोशल मीडिया पर रिंकू सिंह का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। उन्होंने 8 जून को सांसद प्रिया सरोज के साथ लखनऊ में सगाई की। दोनों की सगाई में क्रिकेट जगत की हस्ती सहित बड़े नेता शामिल हुए। 3 साल से दोनों एक दूसरे को जानते हैं। जानकारी के मुताबिक रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की मुलाकात किसी दोस्त ने कराई थी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी में दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। पहली बार ससुराल पहुंचने उनका बहुत ही शानदार स्वागत हुआ। दरवाजे पर पहुंचने पर उनके लिए सास गुलाब की पंखुड़ी से भरी थाल लेकर पहुंची। रिंकू ने सबसे पहले सास के पैर छुए और फिर उन्होंने होने वाले दामाद को टीका लगाया। इसके बाद गुलाब की पंखुड़ी को रिंकू के ऊपर छीटा।

फिडे वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप

अर्जुन एरिगैसी की अगुवाई में टीम एमजीडी1 ने रैपिड खिताब जीत रचा इतिहास

लंदन

भारतीय शतरंज के इतिहास में एक गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब पुणे स्थित टीम एमजीडी 1 ने अर्जुन एरिगैसी की कप्तानी में फिडे वर्ल्ड रैपिड एंड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप 2025 का रैपिड खिताब जीत लिया। यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय-प्रायोजित टीम बन गई है।

टीम एमजीडी1 केवल एक शतरंज टीम नहीं बल्कि एक शतरंज प्रबंधन और निवेश संस्था है, जो प्रतिभाओं को संवारने, टूर्नामेंट आयोजित करने और अपनी फ्लैगशिप टीम को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतारने का कार्य करती है। इस टीम की खासियत यह रही कि यह पूरी तरह भारतीय प्रतिभाओं पर आधारित रही, जिसमें अर्जुन एरिगैसी के अलावा पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन ल्यूक मेंडोंका, प्रणव वी और अथर्व पी. तायड़े शामिल रहे।

आखिरी दौर में रोमांचक जीत - फाइनल राउंड में एमजीडी1 का मुकाबला माल्कम्स मेट्स से हुआ, जहां अर्जुन एरिगैसी, प्रणव वी और अथर्व तायड़े ने निर्णायक जीतें दर्ज करते हुए टीम को ऐतिहासिक खिताब दिलाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एमजीडी1 का मुख्य मुकाबला हेक्सामाइंड टीम से रहा, जिसमें लेवोन अरोनियन, विदित गुजराती और दिव्या देशमुख जैसे सितारे शामिल थे। हेक्सामाइंड ने अंततः 1 मैच प्वाइंट से पीछे रहकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि विश्वनाथन आनंद की अगुवाई वाली फ्रीडम टीम ने 17 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले दिन की मुख्य झलकियां टूर्नामेंट के पहले दिन चार राउंड के बाद एमजीडी1 ने 4 में से 4 मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं अलीरेज़ा फिरोज़ा, हिकारू नाकामुरा और अलेक्ज़ांद्रा कोस्टेनियुक जैसे दिग्गजों वाली डब्ल्यूआर चेस टीम ने विश्वनाथन आनंद की फ्रीडम टीम से ड्रॉ खेला और दूसरे स्थान पर रही। इस बार टूर्नामेंट में दो प्रमुख नाम मैग्नस कार्लसन और इयान नेपोमनियाची - शामिल नहीं हो सके।

सबसे ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी विजेता देश ऑस्ट्रेलिया, भारत दूसरे नंबर पर

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक देश आज एक और आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर लेगा। पहले तीन दिन के खेल के बाद द.अफ्रीका का पलड़ा भारी है। शनिवार को चौथे दिन पहले ही सेशन में रिजल्ट आ जाएगा। अगर द. अफ्रीका जीतता हैं, तब यह उसकी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी होगी। और ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी तब उसके नाम 11वीं ट्रॉफी होगी। आईसीसी यानी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था है, जो पूरी दुनिया में इस खेल को संचालित करती है। इसमें पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों शामिल हैं। 1973 में पहला आईसीसी वर्ल्ड कप (महिला) खेला गया, इस इंग्लैंड ने जीता था। पुरुष क्रिकेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी 1975 में वेस्टइंडीज ने जीती थी। पुरुष क्रिकेट में आईसीसी चार कैटेगरी में वैश्विक टूर्नामेंट आयोजित करती है। वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और चैंपियंस ट्रॉफी। इन सभी को मिलाकर ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 10 खिताब जीते हैं। उसके नाम ही सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी का रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 6 वनडे वर्ल्ड कप और एक टी20 वर्ल्ड कप जीता है। साथ ही एक-एक चैंपियंस ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी टाइटल भी जीता है। लेकिन अगर दक्षिण अफ्रीका मैच जीत जाता हैं तब 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम करेगा।

मेसी फीफा क्लब विश्व कप में इंटर मियामी का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक

मियामी

फुटबॉल महानायक लियोनेल मेसी ने कहा है कि 2025 में अमेरिका में होने वाले फीफा क्लब विश्व कप के लिए उनकी उम्मीदें पहले के मुकाबलों से अलग होंगी, जब वह बार्सिलोना की ओर से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेते थे।

मेसी 2009, 2011 और 2015 में बार्सिलोना के साथ क्लब विश्व कप जीत चुके हैं। इस बार यह टूर्नामेंट विस्तारित 32 टीमों के फॉर्मेट में खेला जाएगा, जो चार सप्ताह तक चलेगा और संयुक्त राज्य अमेरिका के 11 शहरों में आयोजित होगा। फीफा से बातचीत में मेसी ने कहा,वर्ल्ड इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनने का मौका बेहद खास है। इस बार की उम्मीदें अलग हैं, लेकिन मैं उत्साहित हूं और दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर तत्पर हूं। इंटर मियामी अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में अल अहली के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम पाल्मेइरास और पोर्टो से भिड़ेगी। मेसी ने कहा कि फीफा के सभी छह महाद्वीपों की टीमों की भागीदारी इस टूर्नामेंट को खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए खास अनुभव बनाएगी। उन्होंने कहा,वर्ल्ड दुनिया भर से बड़ी टीमें आ रही हैं और इससे दुनियाभर के लोगों की दिलचस्पी जुड़ी है। यह हमारे लिए एक नया और अलग अनुभव है। अमेरिका में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलते देखना एक अद्भुत अवसर है। हालांकि उन्होंने माना कि यूरोपीय क्लब खिताब के प्रबल दावेदार होंगे, लेकिन उन्होंने दक्षिण अमेरिकी और अन्य क्षेत्रों की टीमों को भी हल्के में नहीं आंका। मेसी ने कहा,वर्ल्ड यह दक्षिण अमेरिकी और उभरती हुई टीमों के लिए भी बड़ा मौका है कि वे यूरोपीय दिग्गजों के खिलाफ खेलें। वे टीमें जिनके पास दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ी हैं और जिन्हें देखने के लिए लोग बेताब रहते हैं।यह खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए एक शानदार अनुभव होगा। 2025 क्लब विश्व कप की शुरुआत इस शनिवार से हो रही है और यह टूर्नामेंट 2025 गर्मियों में अमेरिका में आयोजित होने वाले सबसे बड़े फुटबॉल आयोजनों में से एक माना जा रहा है।

फीफा क्लब विश्व कप: चोटिल जोर्डी अल्बा अल अहली के खिलाफ इंटर मियामी के पहले मैच से बाहर

मियामी गार्डन्स

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 में इंटर मियामी को अपने पहले मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी स्पेनिश डिफेंडर जोर्डी आल्बा मांसपेशियों में चोट के चलते शनिवार को मिस्र की अल-अहली के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे।

इंटर मियामी के कोच जैवियर माशेरानो ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि केवल आल्बा ही नहीं, बल्कि मिडफील्ड के मजबूत खिलाड़ी यानिक ब्राइट भी इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हालांकि माशेरानो को उम्मीद है कि दोनों खिलाड़ी अगले मुकाबले तक फिट हो जाएंगे।

उन्होंने कहा, वर्ल्ड जोर्डी और यानिक इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन उम्मीद है कि वे अगले मैच के लिए तैयार रहेंगे।

आल्बा की गैरमौजूदगी मियामी के लिए बड़ा नुकसान - पूर्व बार्सिलोना डिफेंडर जोर्डी आल्बा की अनुपस्थिति से मियामी की रक्षापंक्ति को कमजोर झटका लगेगा। इसके अलावा, उनका लियोनेल मेसी को पास देने में अहम योगदान रहता है, जिससे अटैक में भी कमी देखने को मिल सकती है। मिडफील्ड में यानिक ब्राइट की गैरहाजिरी से भी टीम की फिजिकल ताकत पर असर पड़ेगा, खासकर तब जब वह सर्जियो बस्केट्स जैसे अनुभवी लेकिन उम्रदराज खिलाड़ी के साथ मैदान संभालते हैं।

मशेरानो बोले - **यह हमारे लिए बड़ी चुनौती** - माशेरानो ने कहा, वर्ल्ड हम चाहते थे कि हमारी पूरी टीम फिट होती, ताकि हम और मजबूत होते। लेकिन इसके बावजूद हम इस मंच पर खेलने को लेकर उत्साहित हैं। यह एक अनोखा टूर्नामेंट है और इसमें हिस्सा लेना हमारे लिए गर्व की बात है। यह हमारे लिए खुद को आंकने का मौका भी है।

ग्रुप स्टेज में तीन मुकाबले खेलेगी मियामी - इंटर मियामी ग्रुप ए में खेल रही है। टीम शनिवार को अल-अहली से भिड़ेगी, इसके बाद गुरुवार को अटलांटा में पोर्टो से मुकाबला होगा और फिर अंतिम ग्रुप मैच ब्राजील की पामेइरास के खिलाफ साउथ फ्लोरिडा में खेला जाएगा।

गौरतलब है कि इंटर मियामी ने पिछले सीजन में एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड जीतकर इस टूर्नामेंट में मेज़बान टीम के रूप में प्रवेश किया है। हालांकि, टीम प्लेऑफ के पहले दौर में अटलांटा से हार गई थी और एमएलएस कप लॉस एंजेलिस गैलेक्सी ने जीता था।

मैदान की स्थिति पर सवाल - जब मीडिया प्रतिनिधि मैच स्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि मैदान पर अभी तक लाइनिंग पूरी नहीं हुई थी और सतह पर काम चल रहा था। इस पर माशेरानो ने कहा, वर्ल्ड उम्मीद है कि मैदान मैच के लिए तैयार होगा। हमें इस पर भरोसा है कि फीफा ऐसे आयोजनों में अनुभवी है, लेकिन हमारा ध्यान उन्हीं चीजों पर है जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं।

कैसा हो जीवनसाथी

HARD TO RESIST

मा रा स्वभाव हमेशा से चूजी रहा है। हमें जो भी अच्छा लगता है हम उसे अपना लेते हैं और जो हमें पसंद न हो उसे नकार भी देते हैं। यही बात नया रिश्ता कायम करने में भी लागू होता है। जरूरी नहीं कि किसी भी अच्छे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही आप उससे शादी के सपने देखने लग जाएं। शादी के लिए सिर्फ अच्छा दिखना ही काफी नहीं होता। जीवनसाथी चुनने के लिए महिलाएं गंभीर सोच-विचार के बाद ही फैसला लेती हैं। ऐसी ही कुछ सोच पुरुषों की भी होती है। क्या आपको पता है पुरुषों को कैसा जीवनसाथी पसंद आता है। पुरुष केवल खूबसूरत चेहरे या फिगर पर ही फिदा नहीं होते। आइए जानते हैं पुरुषों के मन की बात। पता करते हैं कि किस तरह की महिलाओं को पुरुष नकार नहीं सकते। स्नेही स्वभाव यदि आपका स्वभाव देखभाल करने की प्रवृत्ति का है तो फिर यह तय है कि आपको कोई भी ना नहीं कर सकता। पुरुष चाहते हैं कि उसका जीवनसाथी बिना किसी शर्त उससे प्यार करे। ऐसे पुरुष जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेते। ये चाहते हैं कि उनकी गर्लफ्रेंड या जीवनसाथी उन्हें हमेशा उत्साहित करती रहें। स्नेही स्वभाव की महिलाएं उन पुरुषों की पहली पसंद होती हैं जो जीवन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

जिम्मेदार

जब कोई पुरुष शादी के लिए लड़की की खोज करता है तो उसका पहली प्राथमिकता जिम्मेदारी उठा सकने वाली लड़की होती है। वो चाहते हैं कि उनकी जीवनसाथी में तमाम घरेलू गुण मौजूद हों। पति के साथ मिलकर परिवार को चलाएं।

खाना पकाने में माहिर

भारत में एक मशहूर कहावत है कि पुरुषों के दिल का रास्ता उनके पेट से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि आपमें बढ़िया खाना बनाने के सारे गुण हों। यदि आपको उनके मुताबिक, पसंदीदा भोजन बनाना आता हो तो बात बन जाए। आप बेस्ट कुक हैं, तो उनकी दुनिया ही पूरी हो जाती है।

पैसे का मोल समझने वाली

यदि आप घर के हिसाब-किताब का प्रबंधन अच्छा है तो फिर कोई भी पुरुष आपको पसंद कर सकता है। पुरुष जब कोई भविष्य की योजना तैयार करते हैं तो उनकी उम्मीद होती है कि उनका जीवनसाथी इस सपने को साकार करने में उनकी मदद करे।

समझदारी

पुरुषों केवल सुंदर चेहरा या फिगर ही नहीं चाहते बल्कि वे चाहते हैं कि उनका जीवनसाथी समझदार भी हो। वो ऐसा जीवनसाथी चाहते हैं जिससे अपनी सारी बाते शेयर कर सकें। वे अपने मानसिक स्तर पर अपने बराबर की महिला को प्राथमिकता देते हैं।

बेहतर दोस्त

पुरुषों की अपेक्षा होती है कि उनकी जीवनसाथी उनकी अच्छी दोस्त हों। यदि आप उनकी बेहतर दोस्त बन सकें तो आपका साथ आजीवन बना रहेगा। आप शादी के बाद भी एक-दूसरे को भलीभांति समझ-बूझ कर बेहतर दोस्त बन सकते हैं।

शहर की पहचान थी ज़री

सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुत: यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी।

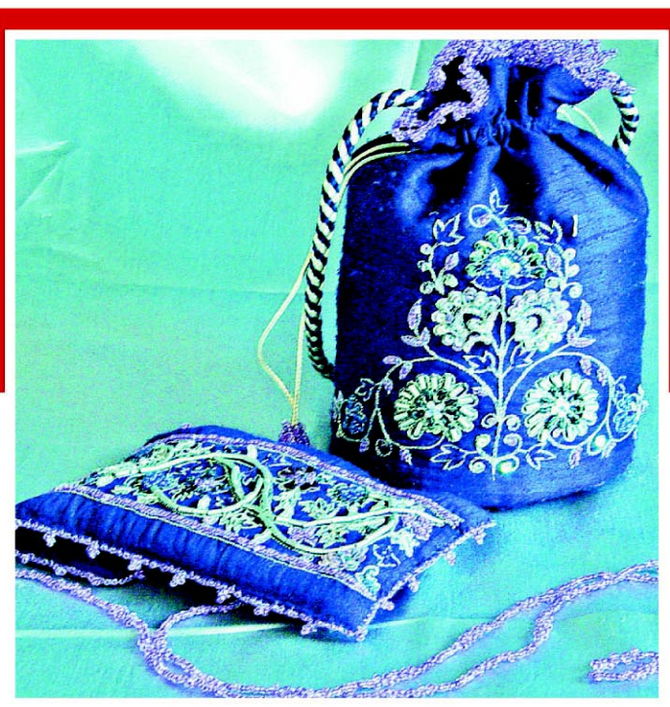

एक वक्त था जब ज़री वाले बटुए भोपाल की पहचान हुआ करते थे। नवाब और रजवाड़े इन बटुओं को शान से अपने हाथ में लिए घूमा करते थे। इसके साथ ही ज़री और मोतियों से सजी जूतियां भी बेगमों के साथ-साथ आम महिलाओं को नवाबी दौर से जोड़ती थीं। नवाबी दौर में कभी भोपाल की आन, बान, शान और पहचान रही 'ज़री' ने अब अपनी चमक खो दी लगती है। एक जमाना था जब 'ज़री' नवाबों, रजवाड़ों, जमीदारों और हकिमों के महलों की ज़ीनत हुआ करती थी। उस दौर के अमीर और खवातीनें जब ज़री के भारी दुपट्टे, मोतियों और सलमें सितारे टकीं जूतियों और सोने-चांदी के तारों से सजे बटुओं को लेकर निकलते थे तो देखने वाले अश-अश कर उठते।

लेकिन अब न वो दौर रहा न वो लोग न कारीगर और न ही ज़री के कद्रदान, लिहाजा कभी भोपाल का पर्याय रहा ज़री उद्योग इन दिनों आखरी सांसे गिन रहा है। भोपाल में ज़री के काम का इतिहास तकरीबन 130 साल पुराना है। तत्कालीन नवाब शाहजां बेगम (1868-1901) ने भोपाल में ज़री का काम शुरू करवाया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, दिल्ली से ज़री के बेहतरीन कारीगर भोपाल बुलवाए और परी बाजार के एक ट्रेनिंग सेंटर खोला। तब परी बाजार सिर्फ औरतों के लिए औरतों द्वारा ही चलाया जाता था। ज़री के संदर्भ में यदि भोपाल की संस्कृति समझने की कोशिश करें तो पाएंगे कि यहां औरतें मर्दों पर हुक्म चलाती रही हैं उस वक्त के मर्द निहायत गैर जिम्मेदार रहे और मछली पकड़ने के अलावा कोई काम नहीं करते थे ऐसी स्थिति में बेकारी दूर करने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के उद्देश्य से ही नवाब शाहजहां बेगम के ज़री उद्योग को बढ़ावा दिया। आपने ज़री के निर्यात पर भी बल दिया। (1901-26)नवाब सुल्तान जहां बेगम की भी ज़री के काम की बड़ी कद्रदां थीं। उन्होंने भी ज़री उद्योग को संगठित करने के काफी प्रयास किए। बुजुर्ग ज़री कारीगरों को आप ज़री के देती थी विधवाओं के कल्याण के लिए सुल्तान जहां बेगम ने 1905 में आसिफ टेक्निकल स्कूल की स्थापना की थी। सुल्तान जहां के दौर (1901-26) में ही ज़री उद्योग अपने ऊरूज में पहुंचा। बेगम साबि ने ही ज़री उद्योग को बाजार उपलब्ध करवाया हालांकि तब भी चौक बाजार में एक-सी-जरीवाला (1859) और नेशनल ज़री हाउस (1880) की दुकानें खुल चुकी थीं। इसके बाद के वर्षों में जय नारायण कन्हैयालाल, मुल्ला गुलाम बक्श गोते वाला, मुख्तार जनरल स्टोर, सूफी नबी बक्श हाजी कादर भाई (इब्राहिमपुरा)आदि। ज़री के बड़े और प्रतिष्ठित व्यापारियों में से थे इनसे अब केवल एस-सी-जरीवाला और जयनारायण कन्हैयालाल की दुकानें ही वजूद में हैं। दरअसल ज़री का काम सबसे पहले बटुओं पर शुरू हुआ।

उन दिनों रईसों में पान, गुटका, सुपारी आदि खाने का चलन था। सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी। सत्तर के दशक में सोना-चांदी बहुत महंगा हो गया, कलखखा ज़री का स्थान मोतियों, कला वस्तु ने ले लिया बटुओं से शुरू होकर ज़री साड़ी, कुर्ता, जैकेट, टीकोजी, पर्दा, रूमाल, चप्पल आदि की शान बन गई। लेकिन भोपाल की पहचान ज़री के बटुओं की वजह से ही बनी। भोपाल का ज़री बटुआ उद्योग भी उतना ही मशहूर है जितना कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, बनारस का साड़ी उद्योग। आज भी अधिकांश विदेशी पर्यटक भोपाली पहचान का प्रतीक ज़री बटुआ खरीदना नहीं भूलते। दुर्भाग्य से इन अब ज़री के काम का चलन कम होने लगा है। पुश्तैनी कारीगर भी यह काम छोड़ने को मजबूर होते जा रही हैं। भोपाल के चांदबढ़, जहांगीराबाद, इतवारा, शाहजहांनाबाद, मोती मस्जिद, हमीदिया रोड आदि क्षेत्रों में अनेक मुस्लिम परिवार इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक अपनी इस विरासत को आज जैसा-तैसा बचाए हुए हैं।

किसी व्यक्ति की कुंडली सिर्फ उसके जीवन की ग्रह दशा ही नहीं कहती, बल्कि उसके प्रत्येक घर में ईश्वर विराजमान होते हैं। या यूं कहें कि कुंडली देखकर पता लगाया जा सकता है कि आप किसकी आराधना करें, जो फलित हो...

कुंडली में ईश बसे...

ज्योतिष शास्त्र में किसी जातक की कुंडली से उसके इष्ट देव को जानने के अलग-अलग सूत्र व सिद्धांत हैं, जिन्हें समय-समय पर ऋषि- मुनियों ने तैयार किए हैं। ऐसे ही एक ऋषि और जेमिनी सूत्र के रचनाकार महर्षि जेमिनी ने इष्टदेव के निर्धारण में आत्मकारक ग्रह की भूमिका को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया है। कुंडली में लग्नेश, लग्न ग्रह के स्वामी ग्रह जो सबसे अधिक अंश में हो, चाहे किसी भी राशि में हो, आत्मकारक ग्रह होता है। इसी ग्रह को आधार मानकर जातक को अपना इष्ट चुनने का संकेत मिलता है। जेमिनी ने इष्ट निर्धारण के लिए देव चुनने में निम्न बातों का ध्यान रखने की भी सलाह दी है-

- आत्मकारक ग्रह के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व उनकी आराधना करनी चाहिए।
- दूसरे आधारों के मुताबिक, पंचम भाव, पंचमेश व पंचम में स्थित बलि ग्रह या ग्रहों के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व अराधना करें।
- त्रिकोणेश में सर्वाधिक बलि ग्रह के अनुसार भी इष्टदेव का चयन कर सकते हैं और उसी अनुसार उनकी आराधना करें।

इस प्रकार अपने इष्टदेव का चयन करने के उपरांत ही उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। आप इन्हें किसी भी परिस्थिति में न त्यागें। अपने इष्टदेव का निर्धारण कर यदि आप नियमित पूजन करते हैं, तो आपको आपने पूर्वजन्म कृत पापों से मुक्ति भी पाने में मदद मिलेगी।

ग्रह अनुसार इष्ट निर्धारण

सूर्य : राम व विष्णु
चंद्र : शिव, पार्वती, कृष्ण
मंगल : हनुमान, कार्तिकेय, स्कंद, नरसिंग
बुध : गणेश, दुर्गा, भगवान बुद्ध
बृहस्पति : विष्णु, ब्रह्मा, वामन
शुक्र : परशुराम, लक्ष्मी
शनि : भैरव, यम, कुर्म, हनुमान
राहु : सरस्वती, शेषनाग
केतु : गणेश व मत्स्य

वास्तु: दिशा सही, सीढ़ी सही

सीढ़ियों ऐसी होनी चाहिए कि घर में रहने वाले व्यक्ति को पता ही न चले कि वह कब पहली सीढ़ी से चढ़कर ऊपर पहुंच गया। सीढ़ियां जैसी भी हों, जहां भी हों, उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ ऊपर की मंजिल तक पहुंचाना होता है। घर की खूबसूरती में कई चांद लगाने वाली यह सीढ़ियां आज न जाने कितने डिजाइनों में उपलब्ध है, लेकिन अगर आपने इनसे जुड़े वास्तु सिद्धांतों पर गौर नहीं किया तो यह अपने होने के उद्देश्य से भटक भी सकती हैं।

वास्तु में भवन के अंदर और बाहर की सीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध है। वास्तु में इन्हें घर का न सिर्फ अहम हिस्सा माना गया है बल्कि इनके प्रभावों पर भी विस्तृत चर्चा मौजूद है। वास्तु अनुसार, घर में सीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम दिशा दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम है। अगर सीढ़ियां सही स्थान पर बनी हों, तो जीवन के बहुत से उतार-चढ़ाव व कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

दिशा सीढ़ियों की

सीढ़ियों को अगर सही दिशा में न बनाया गया हो, तो यह एक गंभीर वास्तुदोष माना जाता है। इस दोष के कारण मनुष्य को अनावश्यक आर्थिक व निजी जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका उचित उपाय तो सीढ़ियों का सही दिशा में स्थित होना ही है, किंतु यदि सीढ़ियां गलत दिशा में बनी हों और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करना संभव न हो, तो बिना तोड़फोड़ के भी इस वास्तुदोष का निवारण किया जा सकता है। इसके लिए किसी कुशल वास्तु विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्टोन पिरामिड की स्थापना करनी पड़ती है।

इनका ध्यान रखें

सीढ़ियां कभी भी उत्तर-पूर्व में न बनवाएं। यह धननाश व व्यापार में हानि तथा कर्जों का कारण बन सकती हैं। इससे संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या (3,5,7,9,11,13) में हों। सुविधाजनक, सुंदर व मजबूत सीढ़ियां अच्छे वास्तु की परिचायक हैं। सीढ़ियों के टूटे किनारे वास्तु-दोष उत्पन्न करते हैं। अतः इनकी मरम्मत समय रहते करवा लेनी चाहिए। घुमावदार सीढ़ियां अच्छी नहीं होती। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर, पूजा घर, स्नान घर आदि न बनवाएं। हां, वहां स्टोर रूम बनाया जा सकता है। घर के केंद्र में (ब्रह्मस्थान में) सीढ़ियां होने से घर के सदस्यों को मानिसक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सीढ़ियों की ऊंचाई व चौड़ाई इस आकार में हो कि बच्चा व बूढ़ा आसानी से बिना थके चढ़ सके। सीढ़ियों की ऊंचाई सात इंच तथा चौड़ाई दस इंच से एक फुट तक हो सकती है।

प्रकृति में छिपा स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को जीवन की एक बहुत महत्वपूर्ण निधि माना जाता है। स्वास्थ्य एवं रोग के विषय में प्राकृतिक चिकित्सा के अपने कुछ मौलिक सिद्धांत हैं, जिसके उल्लंघन पर तमाम रोग होते हैं। हमारे आस पास यानी की हमारी प्राकृति में ही इतनी अनमोल चीजें छिपी हुई हैं कि अगर हम उनको अपने सेहत को सुधारने के लिए प्रयोग करेगें तो हम हमेशा ही मुस्कुराता हुआ जीवन जीएगें। चलिए जानते हैं कि प्रकृति में ऐसी कौन सी चीजे हैं जिनसे हमें लाभ मिल सकता है।

संतुलित खान-पान

स्वस्थ रहने के इन तरीको को में सबसे पहला स्थान संतुलित खान-पान का है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां व अंकुरित अन्न इस दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त है। ये आहार स्वास्थ्य को उन्नत करने के साथ-साथ रोगों से दूर रखते हैं।

मिट्टी से उपचार

शरीर पर तरह तरह की मिट्टियों का लेप लगाने से लाभ होता है। हमारे शरीर को शीतलता देने के लिए मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। यह शरीर के दूषित पदार्थ को घोल कर एवं अवशोषित कर पूरे शरीर से बाहर निकाल देती है।

उपवास भी है फायदेमंद

उपवास को प्राचीन समय से स्वस्थ्य रहने का उत्तम साधन माना जाता है। उपवास पाचन प्रणाली को विश्राम देने की प्रक्रिया में खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर से बीमारियों को बाहर निकालने में लग जाती है, यही उपवास का उद्देश्य भी है। अगर आपको स्वस्थ्य रहना है तो हफ्ते में एक दिन जरुर उपवास करें।

मालिश भी है जरूरी

मालिश भी स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, इसका प्रयोग अंग-प्रत्यंगों को पुष्ट करने हुए शरीर के रक्त संचार को उन्नत करने में होता है। मालिश से शरीर निरोगी रहता है और स्फूर्ति बनी रहती है।

पानी से उपचार स्वच्छ, ताजे एवं शीतल जल से अच्छी तरह से स्नान करना जल चिकित्सा का एक बढ़िया रूप है। इससे शरीर के सभी रंद्र खुल जाते हैं, यही नहीं शरीर में हल्कापन और स्फूर्ती भी आती है।

बनाएं अपनी होम लाइब्रेरी

कहते हैं किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। मगर, कॅरियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में हम इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किताबों से मिलने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में होम लाइब्रेरी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। अपने घर में लाइब्रेरी सेट करने के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स..

ऐसे करें लाइब्रेरी मैनेज

1. हमेशा किताबों को तिरछी करके रखें, ऐसा करने से किताबों को निकालने में आसानी होगी।
2. किताबों को कभी-भी फंसाकर न रखें, ऐसा करने से उनके कवर्स फटने की संभावना होती है।
3. बुकमार्क का प्रयोग करें। ऐसा करने से आपको किताबों के पन्ने फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किताबों की सुंदरता बनी रहेगी।
4. किताबों को उधार न दें। अगर आप अपने दोस्तों को किताबें देते भी हैं तो समय से उन्हें वापस ले लें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आपका बुक्स कलेक्शन खराब हो जाएगा।
5. समय-समय पर किताबों की सफाई भी करें। सिर्फ बुक शेल्फ की सफाई करना काफी नहीं है, आप सप्ताह में एक बार किताबों को भी कपड़े से साफ करें।
6. लाइब्रेरी का वातावरण सुगंधित और साफ-सुथरा बनाए रखें। बारिश के मौसम में इस बात का खास ख्याल रखें कि किताबों में सीलन न लगे।
7. रीडिंग के समय अगर कोई मेहमान आ जाए तो उसे लाइब्रेरी में बुलाने की बजाय आप खुद दूसरे कमरे में उसे बिठाएं।

शांत हिस्से में बनाएं लाइब्रेरी

लाइब्रेरी घर के सबसे शांतिपूर्ण हिस्से में होनी चाहिए। कोशिश करें कि लाइब्रेरी हॉल से थोड़ी दूर हो, वरना वहां होती चहल-पहल से पढ़ाई में मुश्किल होगी। अगर आपके बच्चे छोटे हैं तो लाइब्रेरी को उनके रूम के पास भी न बनवाएं।

किताबों तक पहुंचना हो आसान

लाइब्रेरी की अलमारियां और शेल्फ ऐसी हों, जिससे किताबों को ढूंढने में मुसीबत न हो। जो किताबें काफी महंगी हैं, उन्हें कवर्ड अलमारी में रखें। बच्चों की पसंद की किताबों को ओपन शेल्फ में रखें, क्योंकि जल्दबाजी में वे अक्सर शेल्फ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा ऐसी किताबें जो आपको बहुत पसंद हैं, उन्हें ट्रांसपेरेंट कांच वाली अलमारी में रखें, ताकि उनके टाइटल साफ दिखाई दें और आप उन्हें आसानी से ढूंढ सकें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**